सुविचार

दिल और नसीब की कभी नही बनती क्योंकि जो दिल में होता है वो नसीब में नहीं

दैनिक संयुक्त लहर

हिन्दी समाचार पत्र

RNI No. MPHIN/2023/90392

वर्ष : 03, अंक 236 | dainiksanyuktlaher@gmail.com | इंदौर, शनिवार, दिनांक 16 मई 2026 | #DSL.indore | पृष्ठ : 8 मूल्य : रु.3

ऑनलाइन अख़बार और ख़बरों के लिये बारकोड स्कैन करे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लाखों अनुयायियों को संबोधित किया

गुरुदेव के आशीर्वाद से ही सनातन और सत्य मार्ग का अनुसरण करने की प्रेरणा मिलती है : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में जय गुरुदेव आश्रम में गुरुदेव महाराज से भेंट कर आशीर्वाद लिया और उनके अमृत प्रवचनों का श्रवण किया। गुरुदेव श्री उमाकांत जी महाराज ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को आशीर्वाद देते हुए कहा कि सदा ऐसे ही समाज की सेवा में लगे रहे और सत्य, सनातन, अहिंसा के मार्ग पर चलते हुए जन सेवा करते रहें। आज आप अपने कार्यों से जनता के प्यारे बन गए है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरुदेव के निर्देश पर मंच से ही गुरुदेव के अनुयायियों को संबोधित करते हुए कहा कि बाबा गुरुदेव की उज्जैन में आना हमारे लिए सौभाग्य की बात है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुरुवर को देखकर ऐसा लगता है कि स्वयं ईश्वर को देख लिया हो, यह आश्रम परमात्मा का घर है, परमात्मा का आशीर्वाद है कि हमें गुरुवर का आशीर्वाद उनके स्वरूप में मिल रहा है और जीवन में सत्य कार्य करने का जो मार्गदर्शन हमें गुरुवर के चरणों से मिलता है उसे जीवन जीने का नया मार्ग हमें प्राप्त होता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महाराज जी का आशीर्वाद चिर काल तक हम सभी को मिलता रहे और आनंद के साथ जीवन का यापन करें। सनातन धर्म में मान्यता है कि 84 लाख योनियों के बाद हमें यह मानव जीवन मिलता है। इस मानव जीवन को सही तरीके से जीने का जो मार्ग आपके द्वारा बताया जाता है उससे जीवन सरल और संयमित होकर जीने का मार्ग मिल जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा की महाराज जी की कृपा से हमने प्रदेश में गौशालाओं को बनाने और संरक्षण देने का काम कर रहे हैं। उज्जैन सहित अन्य धार्मिक नगरों में भी शराब बंदी के लागू की है और प्रदेश में उज्जैन ओंकारेश्वर, महेश्वर दतिया, पीतांबरा पीठ, सलकनपुर, ओरछा, चित्रकूट सहित 19 नगर में शराबबंदी का आदेश भगवत कृपा से ही हो पाया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ-2028 में उज्जैन को हम मेट्रो सिटी के साथ-साथ आध्यात्मिक, सांस्कृतिक नगरी के रूप में भी स्थापित कर पाएंगे। उज्जैन अब धार्मिक नगरी के साथ उत्सव की नगरी भी हो गई है गुरुदेव की कृपा से अब हम हर जिले में गीता भवन बना रहे हैं, जहां पर भगवान श्रीकृष्ण के उपदेशों का वाचन और आध्यात्मिक अध्ययन भी हो सकेगा। भगवान श्रीकृष्ण के अनुयायी होते हुए हम सब गोपालन को भी अपना रहे हैं और गोपालक परिवारों को आर्थिक सहायता भी दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के साथ देश के अलग अलग जगहों से आए भक्त जय गुरुदेव आश्रम के माध्यम से भक्ति मार्ग की ओर आगे बढ़ रहे हैं। गुरुदेव के आशीर्वाद से ही हम प्रदेश की जनता की समर्पित भाव से सेवा में लगे हैं। महाराज गुरुदेव का आशीर्वाद और उनका मार्गदर्शन सदैव मिलता है।

सुप्रीम कोर्ट स्टाफ को 2 दिन का वर्क फ्रॉम होम

जज कार पूलिंग करके कोर्ट जाएंगे; मोदी की ईधन बचाने की अपील पर फैसला

नई दिल्ली। मोदी की ईंधन बचत की अपील पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने वर्किंग को लेकर नई गाइडलाइन जारी की है। अब कोर्ट के हर विभाग का स्टाफ दो दिन वर्क फ्रॉम होम पर रहेगा। सभी जज कार पूल करेंगे। रजिस्ट्री से जुड़ा 50 फीसदी स्टाफ भी घर से काम करेगा। सोमवार, शुक्रवार और मिसलेनियस डे (जो दिन पहले से तय नहीं होते) पर लिस्ट मामलों की सुनवाई केवल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए होगी। इसके अलावा कोर्ट के अन्य वर्किंग डे में भी सुनवाई ऑनलाइन ही की जाएगी। कोर्ट ने रजिस्ट्री विभाग को निर्देश दिया है कि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग लिंक समय पर भेजें और टेक्निकल सपोर्ट हर समय उपलब्ध रहे, जिससे अदालत की कार्यवाही प्रभावित न हो। सुप्रीम कोर्ट सचिव जनरल भारत पराशर ने इस संबंध नें सर्कुलर जारी किया है। पीएम मोदी की पेट्रोल-डीजल बचाने की अपील का असर देश के राज्यों में भी दिखने लगा है। शुक्रवार को केरलम के सीएम बनने जा रहे वीडी सतीशन पद संभालने से पहले ही अपने काफिले में केवल तीन गाड़ियां रखने का फैसला किया है, जिसमें सिर्फ एक पायलट और एक एस्कॉर्ट वाहन चलेगा। एक दिन पहले महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस गुरुवार को शपथ ग्रहण समारोह के लिए बाइक से विधान भवन पहुंचे थे। दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता ने पेट्रोल-डीजल की बचत के लिए नए आदेश जारी किए। अब दिल्ली में सरकारी कर्मचारी हफ्ते में 2 दिन 'वर्क फ्रॉम होम' करेंगे। 50प्रतिशतसरकारी बैठकें ऑनलाइन होंगी और कोई भी मंत्री 1 साल तक विदेशी दौरे पर नहीं जाएगा। त्रिपुरा में ग्रुप और सिर्फ 50प्रतिशत सरकारी कर्मचारी ही रोज ऑफिस आएंगे, बाकी कर्मचारी वर्क फ्रॉम होम करेंगे। पंजाब में गवर्नर ऑफिस में हर बुधवार को अधिकारी चार-पहिया वाहन से नहीं आएंगे।

न्यूज ब्रीफ

महाराष्ट्र में डिप्टी कलेक्टर सस्पेंड, यौन शोषण के आरोपी अशोक खरात से संबंधों पर हुई कार्रवाई

नई दिल्ली। महाराष्ट्र सरकार ने यौन शोषण के आरोपी अशोक खरात से कथित संबंधों के आरोप में एक डिप्टी कलेक्टर को निलंबित कर दिया है। इस मामले में राज्य में किसी अधिकारी पर की गई यह पहली बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। कार्रवाई मुंबई स्लम रिहैबिलिटेशन अथॉरिटी में तैनात डिप्टी कलेक्टर अभिजीत भांडे-पाटिल के खिलाफ की गई। उन्हें 14 मई को निलंबित किया गया।राज्य के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि प्रारंभिक जांच में अधिकारी के अशोक खरात से संबंध सामने आए हैं।

पुणे के अस्पताल में बम रखने के आरोप में एक गिरफ्तार, आरोपी ने 7 घंटे का टाइमर सेट किया था

नई दिल्ली। महाराष्ट्र एंटी टेररिज्म स्क्वॉड और पुणे पुलिस क्राइम ब्रांच ने शुक्रवार को पुणे के हॉस्पिटल में बम रखने के आरोप में एक शख्स को गिरफ्तार किया। आरोपी का नाम शिवाजी राठौड़ है। उसे नागपुर रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया गया। दरअसल बुधवार शाम को अस्पताल के वॉशरूम में बम जैसी डिवाइस को रखी मिली थी। इसमें लगे तार टाइमर से जुड़े थे। टाइमर को 7 घंटे के लिए सेट किया गया था। इसके बाद वहां पहुंची बम स्कॉड ने विस्फोटक को मैदान में लाकर डिफ्यूज किया था।

दिल्ली में ई-रिक्शा चालक को गोली मारी, सवारी से झगड़ा हुआ था

नई दिल्ली। दिल्ली के नॉर्थईस्ट इलाके में शुक्रवार को एक ई-रिक्शा चालक पर फायरिंग की गई। घटना में ई-रिक्शा चालक एहसान घायल हुआ है। पुलिस के मुताबिक दो लोग ई-रिक्शा में बैठे थे। जब एहसान ने उनसे उतरने के लिए कहा तो दोनों ने बहस शुरू कर दी और एहसान पर फायर किया। भीड़ ने एक आरोपी को पकड़ लिया, लेकिन दूसरा भागने में सफल हो गया। मामले की जांच की रही है।

मणिपुर में कुकी और नगा समूहों ने 14-14 बंधकों को रिहा किया, 6 अब भी लापता

नई दिल्ली। मणिपुर में बढ़ते तनाव के बीच कुकी और नगा पक्षों ने 28 बंधकों को रिहा कर दिया है। यह रिहाई यूनाइटेड नगा काउंसिल विभिन्न सिविल सोसाइटी संगठनों और पुलिस के हस्तक्षेप के बाद शुक्रवार सुबह हुई। नगा पक्ष की ओर से इरेंग लियांगमई गांव और सेनापति जिले के आसपास हिरासत में रखे गए पुरुषों और महिलाओं समेत 14 लोगों को रिहा किया गया। वहीं कुकी पक्ष ने भी 14 लोगों को छोड़ा, जिनमें 12 महिलाएं शामिल हैं।

नीट अगले साल से ऑनलाइन होगी

इस साल रद्द हुई परीक्षा 21 जून को, यह पेपर-पेंसिल से होगी

नई दिल्ली। अगले सत्र से नीट -यूजी परीक्षा ऑनलाइन होगी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को इसका ऐलान किया। उन्होंने माना कि 3 मई को हुई नीट -यूजी-2026 की परीक्षा के पेपर लीक हुए थे। उन्होंने कहा, 'हम नहीं चाहते थे कि कोई गलत कैंडिडेट सिलेक्ट हो जाए। इसलिए हमने बड़ी जिम्मेदारी से परीक्षा रद्द करने का फैसला लिया। अब यह परीक्षा रविवार 21 जून को होगी। 7 मई को गड़बड़ी का पता चला था। एनटीए ने सरकार को बताया। फिर 12 मई को रीएग्जाम का फैसला लिया गया।' शिक्षा मंत्री ने कहा, 'रीएग्जाम में छात्रों को 15 मिनट का एक्स्ट्रा टाइम मिलेगा। छात्र रीएग्जाम में अपनी पसंद का सेंटर चुन पाएंगे।' इससे पहले 3 मई को यह एग्जाम देश के 551 और विदेशों के 14 शहरों में हुई था। इसके लिए 5400 से ज्यादा एग्जाम सेंटर्स बनाए गए थे। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, 'राधाकृष्ण समिति की सिफारिशों का पालन करने के बावजूद यह उल्लंघन कैसे हुआ। ऐसे में सरकारी मशीनरी यह सुनिश्चित करेगी कि इस बार कोई अनियमितता न हो।

सुप्रीम कोर्ट बोला- दो एयरलाइन का किराया अलग-अलग क्यों

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि एक ही दिन, एक ही सेक्टर में उड़ान भरने वाली एक एयरलाइन कुछ अलग हवाई किराया लेती है, जबकि दूसरी एयरलाइनल अलग किराया लेती है। इसे सही किया जाना चाहिए। केंद्र सरकार यात्रियों को राहत दे। दरअसल जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने सोशल एक्टिविस्ट एस लक्ष्मीनारायणन की याचिका पर सुनवाई की। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने बेंच से कहा- हवाई किराया 300 तक बढ़ जाता है। इस पर बेंच ने मजाक में कहा- वकीलों की फीस भी कई बार 400 तक बढ़ जाती है, अब क्या किया जाए।

पेट्रोल-डीजल कीमतों में वृद्धि, कांग्रेस बोली- चुनाव खत्म, वसूली शुरू

नई दिल्ली। देश में पेट्रोल और डीजल 3-3 रुपए प्रति लीटर महंगे हो गए हैं। प्रमुख शहरों में भी 2 रुपए प्रति किलो तक महंगी हो गई है। नए दाम आज 15 मई से लागू हो गए हैं। करीब 2 साल बाद दामों में ये बढ़ोतरी की गई है। विपक्षी दलों ने केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना की है। सरकार पर बढ़ती महंगाई और आर्थिक दबाव के बीच आम लोगों पर बोझ बढ़ाने का आरोप लगाया है। कांग्रेस ने सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि 'महंगाई मैन' मोदी ने आज फिर जनता पर हंटर चलाया है। चुनाव खत्म हो गए हैं, मोदी की वसूली शुरू हो गई है। वहीं सपा के अखिलेश यादव ने एक कार्टून शेयर करते हुए लिखा कि हमने तो पहले ही कहा था कि साइकिल से बेहतर कुछ नहीं है। आगे बढ़ना है तो साइकिल ही विकल्प है। राहुल गांधी: मोदी की गलती की कीमत जनता चुकाएगी- मोदी सरकार की गलती, कीमत जनता चुकाएगी। 3 का झटका तो पहले ही लग चुका है। बाकी की वसूली किस्तों में की जाएगी।

जम्मू-कश्मीर में शराबबंदी की मांग को लेकर बाजेपी का प्रदर्शन

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर को 100 दिनों के भीतर नशा मुक्त बनाने को लेकर अभियान चलाया जा रहा है। इसी बीच रविवार को एक पत्रकार के सवाल पर मुख्यमंत्री के बयान को लेकर विवाद खड़ा हो गया। अब्दुल्ला ने कहा था कि लोग अपनी मर्जी से शराब का सेवन करते हैं। सरकार किसी को भी शराब की दुकानों पर जाने के लिए मजबूर नहीं कर रही है। उन्होनें कहा, ये दुकानें उन लोगों के लिए हैं जिनका धर्म उन्हें शराब पीने की इजाजत देता है। जम्मू-कश्मीर में अभी तक किसी भी सरकार ने इन दुकानों पर प्रतिबंध नहीं लगाया है। इसी मुद्दे पर श्रीनगर में शुक्रवार को ने जम्मू-कश्मीर में शराब पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के आवास की ओर मार्च करने से रोक दिया।

केंद्रीय मंत्रीपरिषद की बैठक 21 मई को

नई दिल्ली। मोदी सरकार की मंत्रिपरिषद की बैठक 21 मई को होने की संभावना है। पीएम मोदी की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में सभी केंद्रीय मंत्रियों, स्वतंत्र प्रभार वाले केंद्रीय राज्य मंत्रियों और अन्य केंद्रीय राज्य मंत्रियों के शामिल होने की उम्मीद है। सूत्रों ने बताया कि बैठक में विभिन्न सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों के अलग-अलग पहलुओं के अलावा, मंत्रालयों और विभागों के कामकाज की समीक्षा किए जाने की उम्मीद है। मोदी 3.0 सरकार के दो साल पूरे होने से पहले कैबिनेट में संभावित फेरबदल को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। इस सरकार ने 10 जून, 2024 को शपथ ली थी। सूत्रों के अनुसार, कैबिनेट का विस्तार और फेरबदल जून के दूसरे सप्ताह में हो सकता है। इसके अलावा पीएम बैठक में बचत की अपील पर भी चर्चा कर सकते हैं। दरअसल पीएम ने 10-11 मई को दो रैलियों में लोगों से ईंधन बचाने, सोना न खरीदने की अपील की थी। जहां संभव हो पेट्रोल डीजल का उपयोग कम करें और मेट्रो, इलेक्ट्रिक बस और पब्लिक ट्रांसपोर्ट का उपयोग करें। विदेश में रहने वाले भारतीयों से कहूंगा कि कम से कम पांच विदेशी मेहमानों को भारत घुमाने लाइए। सोने के आयात पर भी देश का बहुत बड़ा पैसा विदेश जाता है। जब तक हालात सामान्य न हों, हम सोने की खरीद टालें। गोल्ड की जरूरत नहीं है। अगर लोग खाने के तेल का कम उपयोग करें तो इससे देश और शहर दोनों को फायदा होगा। 10 जून 2024: पहली कैबिनेट बैठक- मोदी सरकार बनने के एक दिन बाद पहली बैठक हुई।

उदयनिधि बोले- हम भगवान में आस्था के खिलाफ नहीं : लोग मंदिरों में जाएं

चेन्नई। तमिलनाडु के पूर्व डिप्टी सीएम उदयनिधि स्टालिन ने सनातन खत्म वाले अपने बयान पर 2 दिन बाद सफाई दी। उदयनिधि ने कहा- मेरे बयान को गलत समझा जा रहा है। मैं लोगों के मंदिर जाने के खिलापु नहीं बस वहां जाति के आधार पर जो भेदभाव होता है, उस सोच को खत्म करना होगा। उदयनिधि स्टालिन ने 12 मई को विधानसभा में कहा कि सनातन धर्म को खत्म किया जाना चाहिए। यह लोगों को बांटता है। उन्होंने पहले 2023 में भी सनातन को डेंगू, मलेरिया बताया था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने मार्च 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें फटकार लगाई थी। उदयनिधि ने सोशल मीडिया पर लिखा- तमिलनाडु विधानसभा में जब मैंने कहा था कि 'लोगों को बांटने वाले सनातन को खत्म होना चाहिए' तो कुछ लोग मेरी आलोचना कर रहे हैं। लेकिन मैं ऐसी आलोचनाओं से डरने वाला नहीं हूं। द्रविड़ आंदोलन हमेशा विरोध के बीच ही आगे बढ़ा है। इसलिए मैं सिर्फ एक छोटी-सी बात साफ करना चाहता हूं। जब मैं कहता हूं कि सनातन खत्म होना चाहिए, तो इसका मतलब यह नहीं है कि कोई मंदिर न जाए। इसका मतलब यह है कि मंदिरों में ही नहीं, बल्कि समाज में भी सभी लोगों को बराबरी का अधिकार मिलना चाहिए।

आपकी हर हरकत पर नजर, कनेक्टिविटी निजता के लिए खतरा

नई दिल्ली। हमारी जिंदगी पहले से ज्यादा स्मार्ट और 'कनेक्टेड' हो गई है। मनोरंजन, सुविधा और सोशल मीडिया के इस दौर में यही कनेक्टिविटी अब हमारी निजता के लिए सबसे बड़ा खतरा बनती जा रही है। ओटीटी प्लेटफॉर्म, स्मार्ट टीवी, स्मार्ट फोन, स्मार्ट कारें और यहां तक कि सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई सेल्फी भी अब डेटा चोरी और निगरानी का जरिया बन रही हैं। मानें या न मानें, आम इंसान की रोजमर्रा की जिंदगी भी डिजिटल निगरानी के दायरे में आ चुकी है। अक्सर कंपनियां जाने-अनजाने में सहमति ले लेती हैं क्योंकि अधिकांश यूजर गोपनीयता नीति को पढ़े बिना अपनी रजामंदीं दे देते हैं। स्मार्टफोन- कई एप बैकग्राउंड में आपकी बातें सुनकर आपको आपकी पसंद के विज्ञापन दिखाते हैं। जीपीएस और सेंसर की मदद से आपकी हर मूवमेंट को ट्रैक किया जाता है। स्मार्ट टीवी- कई स्मार्ट टीवी ऑटोमैटिक कंटेंट रिकॉग्निशन के जरिये ट्रैक करते हैं कि आप क्या देख रहे हैं। टीवी में लगे माइक्रोफोन आपकी निजी बातचीत रिकॉर्ड कर सकते हैं। स्मार्ट स्पीकर- एलेक्सा और गूगल होम जैसे डिवाइस 'वेक वर्ड' (उन्हें एक्टिव करने वाले आदेश) के इंतजार में हर समय बातें सुनते हैं।

पंजाब के किसानों का चंडीगढ़ कूच, पुलिस से भिड़े

चंडीगढ़। पंजाब के किसानों ने शुक्रवार (15 मई) को चंडीगढ़ कूच की कोशिश की। किसान विभिन्न मांगों को लेकर राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से मिलने जा रहे थे। इसके लिए बड़ी संख्या में किसान मोहाली के चौक पर जुटे, जहां से उनका चंडीगढ़ की ओर बढ़ने का कार्यक्रम था। किसानों के मार्च को देखते हुए पुलिस पहले से अलर्ट पर रही। पुलिस ने चौक से चंडीगढ़ जाने वाले मुख्य रास्ते को सील कर दिया। इसके अलावा सेक्टर-50 की ओर जाने वाली सड़क पर भी भारी बैरिकेडिंग की गई, क्योंकि यह रास्ता राज्यपाल के आसपास के इलाके की तरफ जाता है। इसके बावजूद किसान सेक्टर-50 वाले मार्ग पर आगे बढ़ने की कोशिश करते रहे। मौके पर तनाव बढ़ गया और किसानों व पुलिस के बीच टकराव की स्थिति बन गई। किसानों ने ट्रैक्टरों के साथ लगी लोहे की चेन की मदद से बैरिकेडिंग उखाड़ दी और आगे बढ़ने का प्रयास किया।

शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना-2026 का हुआ शुभारंभ

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

इन्दौर। मध्यप्रदेश शासन के पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा अन्य पिछड़ा वर्ग के युवाओं को सैन्य बल, पुलिस, होमगार्ड एवं अन्य समकक्ष सुरक्षा सेवाओं में भर्ती हेतु सक्षम बनाने के उद्देश्य से 45 दिवसीय प्रशिक्षण 'शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना-2026' का शुभारंभ आज देवी अहिल्या विश्वविद्यालय खंडवा रोड स्थित तक्षशिला परिसर ऑडिटोरियम में आयोजित गरिमामय कार्यक्रम में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर विधिवत किया गया। कार्यक्रम जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती रीना सतीश मालवीय के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर शिक्षाविद डॉ. स्वप्निल कोठारी, सहायक संचालक एवं नियंत्रणकर्ता अधिकारी (शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना) पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के सहायक संचालक डॉ. अनिल सोनी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्बोधन करते हुए जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती रीना सतीश मालवीय ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए शौर्य संकल्प प्रशिक्षण की सफलता की कामना की। उन्होंने कहा कि युवाओं में ऊर्जा, क्षमता

और राष्ट्रसेवा का जज़्बा प्रचुर मात्रा में है। शासन की यह योजना उन्हें उचित मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण प्रदान कर आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने का कार्य करेगी। उन्होंने युवाओं से प्रशिक्षण का पूर्ण लाभ उठाकर अपने लक्ष्य को प्राप्त करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में शिक्षाविद् डॉ. स्वप्निल कोठारी ने कहा कि प्रेरक प्रसंगों के माध्यम से जीवन में पढ़ाई का महत्व जीवन में संकल्प शक्ति, प्रतिबद्धता एवं पवित्रता के भाव को आत्मसात करने का महत्व बताते हुए विद्यार्थियों के जीवन सफलता प्राप्ति हेतु मेहनत और लगन से परिश्रम का महत्व बताया। इस दौरान पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के सहायक संचालक डॉ. अनिल सोनी ने योजना की रूपरेखा एवं प्रशिक्षण प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि प्रशिक्षण के दौरान युवाओं को भर्ती प्रक्रियाओं के अनुरूप तैयार किया जाएगा। योजना का उद्देश्य केवल रोजगार उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि युवाओं में आत्मविश्वास, अनुशासन एवं राष्ट्रसेवा की भावना विकसित करना भी है। श्री प्रकाश मानावत ने अपने उद्बोधन में योजना के महत्व पर प्रकाश जलते हुए विद्यार्थियों से मेहनत लगाकर पढ़ाई करने का आह्वान किया। उक्त कार्यक्रम राज्य शासन द्वारा प्रारंभ की गई यह योजना युवाओं के भविष्य निर्माण की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण पहल है। योजना के माध्यम से युवाओं को शारीरिक दक्षता , लिखित परीक्षा, व्यक्तित्व विकास एवं अनुशासन संबंधी प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, जिससे वे सेना, पुलिस एवं अन्य सुरक्षा सेवाओं में भर्ती के लिए बेहतर रूप से तैयार हो सकेंगे। इस अवसर पर विभागीय निरीक्षक श्री शैलेंद्र अत्रे, श्री मुकेश मकवाना, श्री जे. एस. वर्मा, श्री महेश राठौर, श्री भूपेन्द्र गुजराती आदि उपस्थित रहे। इस अवसर पर शौर्य संकल्प योजना के कुल 200 चयनित विद्यार्थी एवं अभिभावक एवं विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हुआ तथा अंत में उपस्थित सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

बायपास मुरूम घोटाला : 25 करोड़ से बढ़कर 51 करोड़ पहुंची पेनल्टी

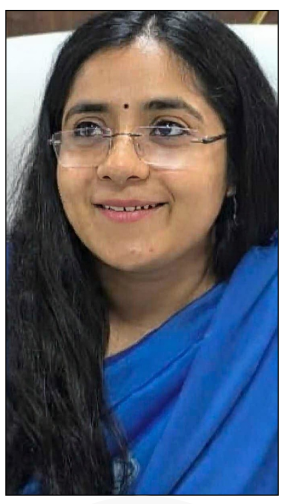

खबर का असर...

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

खरगोन। गोगावां तहसील के मेहरजा-डाबरिया क्षेत्र में मुरूम उत्खनन के नाम पर हुआ कथित खेल अब जिले के सबसे बड़े खनिज घोटालों में गिना जा रहा है। सड़क निर्माण की अनुमति की आड़ में शासकीय जमीन को गहरे गड्ढों में तब्दील कर करोड़ों की मुरूम निकाल ली गई। मामला लंबे समय तक दबा रहा, लेकिन दैनिक 'संयुक्त लहर' की लगातार प्रकाशित खबरों ने प्रशासन को कार्रवाई के लिए मजबूर कर दिया। कलेक्टर भव्या मित्तल के निर्देश पर गठित संयुक्त जांच टीम ने तीन दिनों तक मौके पर सीमांकन और जांच की। तहसीलदार, आरआई, पटवारी और खनिज विभाग की मौजूदगी में हुए माप-जोख में भारी अनियमितताएं

इंदौर आसपास | दैनिक संयुक्त लहर

दैनिक संयुक्त लहर की खबर का असर...

25 करोड़ का अवैध उत्खनन कांड शिवहरे कंपनी पर प्रशासन सख्त

संयुक्त लहर, मुकेश ठक्कर

खरगोन। खरगोन जिले के गोगावां तहसील अंतर्गत ग्राम मेहरजा और डाबरिया में मुरुम के अवैध उत्खनन का बड़ा मामला सामने आया है। सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों के साथ-साथ **दैनिक संयुक्त लहर द्वारा लगातार प्रकाशित खबरों** ने इस पूरे मामले को उजागर करने में अहम भूमिका निभाई। जिसके बाद मामला सुर्खियों में आया और प्रशासन हरकत में आया। लगातार खबरों के बाद कलेक्टर के निर्देश पर राजस्व एवं खनिज विभाग की संयुक्त टीम गठित की गई। टीम ने तीन दिनों तक मौके पर रहकर सभी खसरों का बारीकी से सीमांकन और जांच की।

राजस्व अमले और खनिज विभाग की जांच में अहम भूमिका

इस पूरे मामले में गोगावां तहसील के तहसीलदार, पटवारी और आरआई सहित राजस्व अमले की भूमिका अहम रही। इनके साथ खनिज निरीक्षक प्रियंका अजनारे ने मौके पर जांच कर महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए। खनिज निरीक्षक प्रियंका अजनारे ने अपनी विस्तृत रिपोर्ट खनिज अधिकारी सावन चौहान को प्रस्तुत की। इसके बाद यह रिपोर्ट जिले की कलेक्टर भव्या मित्तल को भेजी गई। कलेक्टर के संज्ञान में आते ही हुई ऐतिहासिक कार्रवाई रिपोर्ट सामने आने के बाद कलेक्टर भव्या मित्तल ने पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए सख्त रुख अपनाया और इसी के आधार पर जिले में अवैध उत्खनन के खिलाफ यह ऐतिहासिक कार्रवाई सुनिश्चित की गई।

तीन दिन की जांच में खुला बड़ा घोटाला

संयुक्त जांच में सामने आया कि कंपनी ए.के. शिवहरे इंफ्रा प्रा. लि. भोपाल ने स्वीकृत सीमा से बाहर जाकर शासकीय भूमि पर बड़े पैमाने पर मुरुम का अवैध उत्खनन किया। कंपनी ने 1.71 लाख घनमीटर से ज्यादा अवैध उत्खनन किया संयुक्त निरीक्षण में कुल 171118 घनमीटर मुरुम का अवैध उत्खनन पाया गया। संयुक्त निरीक्षण के दौरान कंपनी का प्रतिनिधि रमेश पाटीदार मौके पर मौजूद था, लेकिन उसने पंचनामे पर हस्ताक्षर करने से साफ इनकार कर दिया। इस घटनाक्रम ने पूरे मामले को और संदेहास्पद बना दिया है तथा जांच की गंभीरता को और बढ़ा दिया है।

जिला खनिज अधिकारी

जिले में ऐतिहासिक कार्रवाई, सबसे बड़ी राजस्व वसूली

यह प्रकरण अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई के रूप में सामने आया है, जिसमें करोड़ों की शास्ति प्रस्तावित की गई है। प्रशासन ने मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के तहत सख्त कार्रवाई करते हुए कंपनी पर 12.83 करोड़ रुपये रॉयल्टी का 15 गुना अर्थदंड और उतनी ही राशि पर्यावरण क्षतिपूर्ति के रूप में अधिरोपित की है। इस प्रकार कुल 25 करोड़ 66 लाख 77 हजार रुपये की भारी-भरकम वसूली तय की गई है। इसके साथ ही कंपनी को 1000 रुपये प्रशमन शुल्क जमा कर 15 दिवस के भीतर कार्यालय में उपस्थित होकर आवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

सामने आईं। खनिज निरीक्षक प्रियंका अजनारे की रिपोर्ट के अनुसार ए.के. शिवहरे इंफा प्रा. लि. द्वारा 1 लाख 71 हजार 118 घनमीटर से अधिक मुरूम का अवैध उत्खनन किया गया। पहले कंपनी पर 12 करोड़ 83 लाख रुपए की रॉयल्टी का 15 गुना अर्थदंड और उतनी ही पर्यावरण क्षतिपूर्ति मिलाकर 25 करोड़ 66 लाख 77 हजार रुपए की वसूली प्रस्तावित हुई थी। विभाग ने कंपनी को 15 दिन का समय भी दिया, लेकिन सूत्रों के मुताबिक न जवाब दिया गया और न राशि जमा हुई। अब मामला कलेक्टर न्यायालय पहुंच चुका है, जहां नियमों के तहत पेनल्टी बढ़कर करीब 51 करोड़ रुपए तक पहुंच गई है। अब पूरी फाइल कलेक्टर कोर्ट में है और नोटिस जारी होने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। जिले में चर्चा है कि नोटिस की अनदेखी ने शिवहरे कंपनी की मुश्किलें कई गुना बढ़ा दी हैं। यदि समय रहते जवाब दिया जाता तो राहत संभव थी, लेकिन अब 'मुरूम साम्राज्य' पर करोड़ों की वसूली की तलवार लटक रही है।

रेहटी में 24 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ का शुभारंभ, कलश यात्रा निकाली गई

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

रेहटी। के मंडी प्रांगण में आयोजित हो रहे 24 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ का शुक्रवार को भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के प्रथम दिन श्रद्धालुओं द्वारा नगर में मंगल कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं पीले वस्त्र धारण कर सिर पर कलश लेकर शामिल हुईं। पूरे नगर में भक्ति और उत्साह का वातावरण बना रहा। कलश यात्रा के माध्यम से यज्ञ स्थल तक कलश स्थापित किए गए और कार्यक्रम का विधिवत आरंभ किया गया। आयोजन में क्षेत्र के श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। आगामी कार्यक्रम इस प्रकार रहेंगे: 16 मई (शनिवार) प्रातः 7 बजे से देव आवाहन एवं यज्ञ आहुति 17 मई (रविवार) प्रातः 7 बजे से यज्ञ आहुति एवं विभिन्न संस्कार शाम 4 बजे विराट दीप महायज्ञ का आयोजन 18 मई (सोमवार) प्रातः 7 बजे से यज्ञ संस्कार कार्यक्रम का समापन

इसके पश्चात सामूहिक भंडारा एवं टोली विदाइ आयोजकों ने सभी धर्मप्रेमी बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ लेने की अपील की है।

नीट परीक्षा पेपर लिक मामले में आज कांग्रेस निकालेगी मशाल रैली, मृत परीक्षा सिस्टम को देगी श्रद्धांजलि

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

खरगोन। नीट परीक्षा पेपर लीक मामले को लेकर जिला कांग्रेस के नेतृत्व में कांग्रेस , एन एस यू आई, युवक कांग्रेस महिला कांग्रेस के साथी आज दिनांक 16 मई 2026 शाम 7:00 बजे राधावल्लभ मार्केट खरगोन से श्रीकृष्ण चौराहे तक मशाल जुलूस निकाल कर देश में मृत हो चुके परीक्षा सिस्टम को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। उक्त जानकारी देते हुए जिला कांग्रेस प्रवक्ता राजेश मंडलोई ने बताया कि देश में बार बार परीक्षा निरस्त होने से, पेपर लिक होने से बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। जीससे बच्चों और उनके अभिभावकों पर बहुत बुरा असर पड़ रहा है। इसी को लेकर आज कांग्रेस पार्टी जिला कांग्रेस अध्यक्ष के नेतृत्व में मशाल रैली निकालकर मृत परीक्षा सिस्टम को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगी।

आनंद संस्थान द्वारा धूमधाम से मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस, 8 परिवारों ने लिया हिस्सा

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

टोंकखुर्द। राज्य आनंद संस्थान देवास (म.प्र.) के तत्वावधान में शुक्रवार, 15 मई 2026 को स्थानीय भारत हायर सेकेंडरी स्कूल प्रांगण, टोंकखुर्द में 'अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस' का भव्य आयोजन किया गया। शाम 4:30 बजे शुरू हुए इस कार्यक्रम की इस वर्ष की थीम 'परिवार, असमानताएं और बाल कल्याण' रखी गई थी, जिसके इर्द-गिर्द पूरे कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई इस गरिमामयी पारिवारिक मिलन समारोह में कुल 8 परिवारों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम की अध्यक्षता सज्जनसिंह पटेल (बलाखेडा) ने की, जबकि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कैलाश पांचाल थे कार्यक्रम का संचालन आनंदक डॉ. अनार सिंह ठाकुर ने किया। उन्होंने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस के मुख्य उद्देश्यों, बदलते परिवेश में पारिवारिक एकजुटता और बाल कल्याण के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला

इस अवसर पर मान सिंह ठाकुर, विकेश जैन, सुमेर सिंह ठाकुर, लखन सिंह सैन्धव, भीम सिंह ठाकुर, अर्जुन सिंह ठाकुर, सुरेश मालवीय और मंगल सिंह जोशी उपस्थित रहे कार्यक्रम की सबसे खास बात यह रही कि इन सभी सदस्यों के परिवारों से माताएं एवं बच्चे भी इस आयोजन का हिस्सा बने, जिससे कार्यक्रम पूर्णतः पारिवारिक उत्सव में तब्दील हो गया सुरेन्द्र सैन्धव ने अपने संबोधन के दौरान 'बेटी' के विषय पर एक अत्यंत मार्मिक और विशेष कविता का पाठ किया। उनकी इस रचना ने वहां मौजूद सभी लोगों का दिल जीत लिया और श्रोताओं ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ इस कविता की भूरि-भूरि सराहना की यह कार्यक्रम, राज्य आनंद संस्थान देवास जिला प्रभारी समीरा नईम के निर्देश में हुआ . कार्यक्रम के अंत में, आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी अतिथियों, मातृशक्ति और बच्चों के प्रति आभार प्रदर्शन डॉ. अनार सिंह ठाकुर द्वारा किया गया। यह आयोजन पारिवारिक मूल्यों को सहेजने और आपसी प्रेमभाव बढ़ाने का एक सफल प्रयास रहा।

आबकारी विभाग के अमले द्वारा अवैध मदिरा के विरुद्ध कार्यवाही

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

इन्दौर। कलेक्टर जिला इंदौर शिवम वर्मा के आदेश एवं सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी के निर्देशानुसार कंट्रोलर श्री देवेश चतुर्वेदी एवं डिप्टी कंट्रोलर श्री मनोज अग्रवाल के नेतृत्व में आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आज वृत्त देपालपुर अंतर्गत उप निरीक्षक श्री भगवानदास अहरवार एवं उनकी टीम द्वारा क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर काली बिल्लौद रोड़ पर वाहन चेकिंग के दौरान काले रंग की पल्सर मोटरसाइकिल क्रमांक को रोका गया। वाहन पर सवार निवासी इंदौर संजय पिता अमरसिंह एवं सुनील पिता भंवरसिंह द्वारा अवैध मदिरा का परिवहन किया जा रहा था। तलाशी के दौरान एक झोले से 24 नग बोल्ट बीयर केन जप्त की गई। जप्त मदिरा एवं वाहन का कुल अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 1 लाख 55 हजार रुपए आंका गया है। उक्त दोनों आरोपियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)(क) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।

जल गंगा संवर्धन अभियान में व्यापक रूप से हो रहे हैं जल-संरक्षण और जल-संवर्धन के कार्य : जल संसाधन मंत्री सिलावट

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

इन्दौर। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत गांव-गांव, नगर-नगर में जल-संरक्षण एवं जल-संवर्धन के कार्य व्यापक रूप से कराए जा रहे हैं। प्रदेश में गत तीन वर्षों से यह अभियान चलाया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य वर्षा काल के पूर्व जल स्त्रोतों की साफ-सफाई, जीणोद्धार एवं आवश्यक मरम्मत कराए जाना है, जिससे वर्षा काल में इनमें पर्याप्त मात्रा में जल संग्रहण हो सके। इस अभियान में समाज के हर वर्ग का सहयोग लिया जा रहा है तथा इसे जन-आंदोलन का रूप दिया गया है। इस वर्ष जल गंगा संवर्धन अभियान की शुरूआत 19 मार्च को इंदौर से की गई थी, तब से यह अनवरत जारी है और 30 जून तक चलाया जाएगा। जल संसाधन मंत्री ने बताया कि अभियान के अंतर्गत प्रमुख रूप से जल संसाधन विभाग द्वारा विभागीय जल स्तोत्रों के समीप की भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराना, नहरों की साफ-सफाई, सुदृढ़ीकरण एवं सोंदर्यीकरण, जल संरचनाओं के किनारे फैंसिंग एवं वृक्षारोपण, तालाबों की पिचिंग, बोल्डर टो, घाट मरम्मत, लघु सिंचाई परियाजनाओं के फ्लशबार एवं स्लूस मरम्मत, स्टॉपडैम, बैराज, वियर, गेट मरम्मत, जलाशयों में रिसाव रोकने के लिए आवश्यक मरम्मत आदि कार्य कराए जा रहे हैं। विभाग द्वारा अभियान के अंतर्गत इस प्रकार के 1040 कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं। इसी के साथ विभाग के सभी 9 कछारों में लघु सिंचाई परियोजनाओं में 102 कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं। मंत्री श्री सिलावट ने बताया कि अभियान के अंतर्गत भोपाल ज़िले में केरवा नदी के उद्गम स्थल की साफ-सफाई, उज्जैन में काजी खेड़ी, कृष्ण सुदामा तालाब स?लूस वैल की सफाई एवं उण्डासा तालाब व घाटों की साफ-सफाई, शाजापुर में रनायरा केलवा तालाब स?लूस वैल की सफाई, रतलाम में हसन पालिया एवं इंद्रपुरी बैराज गेट की मरम्मत, मुरैना में कोटा तालाब पर जंगल सफाई, लालोर स्टॉप डैम पर जंगल सफाई एवं मोधना स्टॉप डैम व अंबा शाखा नहर की साफ-सफाई, दतिया में दतिया नहर की सफाई, नर्मदापुरम में उपनहर पर जंगल सफाई एवं तवा बांध के डाउनस्ट्रीम में सफाई, सिवनी में अटारी जलाशय के स्लूस अप्रोच चैनल की साफ-सफाई, सीहोर में दोराहा जलाशय की सफाई, कोलार बांध के रोस्टम पर वृक्षारोपण व बुराड़ी लघु सिंचाई परियोजना एवं झालपिपली लघु सिंचाई परियोजना की पाल की सफाई, सागर में तिनसिमरपनी जलाशय के पाल की सफाई, दमोह में बंदरकोला लघु स्लूस वैल मरम्मत, छतरपुर में बैनी सागर मध्यम बांध की साफ-सफाई, पन्ना में देवी बैराज लघु गेट इंस्टॉलेशन एवं बृजपुर बैराज निर्माण, झाबुआ में काला पीपल तालाब की पाल की साफ-सफाई, सतना में बाणसागर वृहद परियोजना के अंतर्गत पुरवा नहर दुआरी सब माइनर को अतिक्रमण मुक्त करना, निवाड़ी में बेतवा नदी के घाट की साफ-सफाई, भिंड में राजघाट नहर परियोजना के अशोक नगर में बरखेड़ा छज्जू तालाब की सफाई, गुना में नरेन मध्यम परियोजना के पाल की सफाई, विदिशा में सगड़ परियोजना के पाल की सफाई, रायसेन में ऊंचाखेड़ा जलाशय एवं लोअर पलकमती जलाशय के डाउनस्ट्रीम मंदसौर में काका साहब गाडगिल सागर जलाशय में वृक्षारोपण और छिंदवाड़ा में पेंच व्यपवर्तन परियोजना हरदुआ नहर की साफ सफाई आदि के कार्य किए गए हैं।

अणु नगर शिवमय वैदिक मंत्रोच्चार के बीच श्री केदारेश्वर महादेव मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव सम्पन्न

संयुक्त लहर, राकेश सिंह

बदनावर। अणु नगर स्थित श्री केदारेश्वर महादेव मंदिर में आयोजित शिव महापुराण कथा एवं प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव शुक्रवार को अत्यंत श्रद्धा भक्ति और धार्मिक उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। पावन आयोजन में साधु-संतों की गरिमामयी उपस्थिति एवं श्रद्धालुओं की भारी सहभागिता से पूरा क्षेत्र शिवमय वातावरण में सराबोर नजर आया। शुभ मुहूर्त में भगवान श्री केदारेश्वर महादेव को नव निर्मित मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ विधिवत विराजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातःकालीन मंगला आरती, अभिषेक एवं विशेष पूजन-अर्चन से हुई। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा और भक्तों ने भगवान शिव के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया। इसके पश्चात अणु नगर स्थित रामेश्वर महादेव मंदिर से श्री केदारेश्वर महादेव मंदिर तक भव्य गंगाजल एवं शोभायात्रा निकाली गई। यात्रा में आकर्षक झांकियां, ढोल-नगाड़ों की गूंज और 'हर-हर महादेव' के जयघोष से वातावरण भक्तिमय हो उठा। महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर यात्रा में भाग लिया, वहीं युवा एवं बच्चों में भी विशेष उत्साह देखने को मिला। प्राण प्रतिष्ठा का मुख्य अनुष्ठान विद्वान आचार्यों श्री श्री 108 भरत शरण मुनि महाराज एवं श्री हेमेंद्र पुरुषोत्तम शर्मा के सान्निध्य में सम्पन्न हुआ। वैदिक रीति-रिवाजों और मंत्रोच्चार के बीच भगवान शिव की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की गई। यज्ञशाला में दिनभर धार्मिक अनुष्ठान, हवन एवं पूजन का क्रम चलता रहा, जिससे वातावरण पूर्णतः आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत बना रहा। पूर्णाहुति के अवसर पर श्रद्धालुओं ने आहुति अर्पित कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। महोत्सव के अवसर पर मंदिर परिसर को विशेष रूप से आकर्षक विद्युत सज्जा एवं फूलों से सजाया गया था, जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बना रहा। प्रातः 11 बजे से विशाल महाप्रसादी का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने अनुशासित रूप से प्रसादी ग्रहण की। आयोजन समिति द्वारा पेयजल, बैठक व्यवस्था एवं प्रसादी वितरण सहित सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित ढंग से की गईं। पूरे आयोजन में आस्था, भक्ति और सामाजिक समरसता का अद्भुत संगम देखने को मिला। स्थानीय नागरिकों, श्रद्धालुओं एवं आयोजन समिति के सक्रिय सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। अंत में समिति द्वारा सभी संत-महात्माओं, सहयोगकर्ताओं एवं धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

कथा सुनने से मिलता है जीवन को सही मार्ग : पंडित मनोज मेहता

श्रीमद् भागवत महापुराण के प्रथम दिवस निकली भव्य कलश यात्रा, महाआरती एवं महाप्रसादी में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

संयुक्त लहर, मोहन बड़ोदिया

श्री राम मंदिर मोहना में आयोजित श्रीमद् भागवत महापुराण कथा के प्रथम दिवस श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत वातावरण देखने को मिला। कथा वाचक पूज्य पंडित मनोज मेहता ने अपने प्रवचनों में कहा कि मनुष्य को जीवन में हमेशा सुनना चाहिए। संतों को सुनो, शास्त्रों को सुनो और यदि शत्रु भी कोई अच्छी बात कहे तो उसे भी सुन लेना चाहिए, क्योंकि सुनने से ही ज्ञान और विवेक की प्राप्ति होती है। प्रातःकालीन सत्र में भव्य दिव्य कलश यात्रा का आयोजन किया गया। कलश यात्रा नगर के मुख्य श्री राम मंदिर से प्रारंभ होकर अंबिका चौक, बोरासेरी, राम कबीर मंदिर, रामबड़ी एवं आदिवासी मोहल्ला से होते हुए श्री कृष्ण मंदिर पहुंची तथा पुनः श्री राम मंदिर प्रांगण में सम्पन्न हुई। यात्रा में महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर भाग लिया, वहीं श्रद्धालु भजन-कीर्तन एवं जयकारों के साथ पूरे मार्ग में भक्तिमय वातावरण बनाते रहे। कथा के दौरान पूज्य महाराज श्री ने भक्ति, ज्ञान और वैराग्य की महिमा का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा मनुष्य के जीवन को नई दिशा प्रदान करती है और कथा के प्रभाव से पापी से पापी जीव भी संसार रूपी सागर से पार हो सकता है। उन्होंने कहा कि भगवान की भक्ति ही मनुष्य को वास्तविक सुख और शांति प्रदान करती है। संध्याकाल में मंदिर प्रांगण में महाआरती का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। इसके पश्चात श्रद्धालुओं को महाप्रसादी वितरित की गई। कथा के प्रथम दिवस नगर में धार्मिक उत्साह एवं श्रद्धा का वातावरण बना रहा।

कांग्रेस संगठन को मजबूत करने हेतु तीनों ब्लॉकों में होगी महत्वपूर्ण बैठकें

संयुक्त लहर, राकेश सिंह

बदनावर। मध्य प्रदेश कांग्रेस संगठन के निर्देशानुसार बदनावर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी द्वारा संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने एवं कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने के उद्देश्य से तीनों ब्लॉकों में महत्वपूर्ण बैठकें आयोजित की जा रही हैं। इन बैठकों में पार्टी संगठन की मजबूती, आगामी रणनीति एवं बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं की सक्रियता को लेकर विशेष चर्चा की जाएगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार 16 मई को कानवन ब्लॉक की संगठनात्मक बैठक प्रातः 11 बजे संतोषी माता धर्मशाला, कानवन में आयोजित होगी। इसी दिन शाम 5 बजे केसुर ब्लॉक की बैठक होटल मनासा मिडवे पर संपन्न होगी। वहीं बदनावर ब्लॉक की संगठनात्मक बैठक 17 मई रविवार को प्रातः 11 बजे विधायक कार्यालय बदनावर में आयोजित की जाएगी। बैठकों में बदनावर विधायक भंवर सिंह शेखावत एवं विधानसभा प्रभारी राकेश अहीर विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। इनके साथ जिला कांग्रेस अध्यक्ष स्वतंत्र जोशी पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी कमल सिंह पटेल, हरि नारायण सिंह पवार एवं जिला संगठन महामंत्री परितोषी सिंह बंजी बना भी कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन देंगे। बैठकों में पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने, संगठनात्मक ढांचे को मजबूत बनाने एवं आगामी राजनीतिक गतिविधियों को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए जाएंगे। कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित रहने का आह्वान किया गया है। इस संबंध में जानकारी नगर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश होती द्वारा दी गई।

गर्मी में चरमराई बिजली व्यवस्था, करोड़ों खर्च फिर भी पुराने पोलों पर टिकी जानलेवा लाइनें

संयुक्त लहर, मुकेश ठक्कर

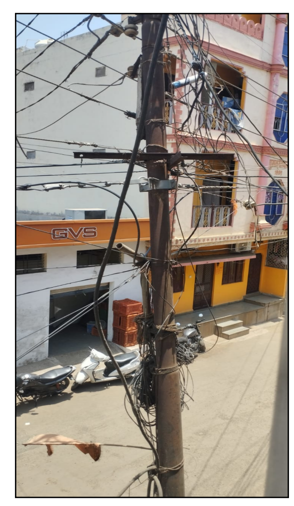

खरगोन। शहर में बढ़ती गर्मी के साथ बिजली व्यवस्था पूरी तरह लड़खड़ाने लगी है। जगह-जगह फ्यूज कटआउट का समय पर मेंटेनेंस नहीं होने से ट्रांसफार्मर जलने और बार-बार ट्रिपिंग की समस्या लगातार बढ़ रही है। उपभोक्ताओं को घंटों बिजली कटौती झेलनी पड़ रही है, वहीं अब आगामी हवा-आंधी और बारिश के मौसम को देखते हुए स्थिति और विकराल होने की आशंका जताई जा रही है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि शहर में पिछले 6 से 7 वर्षों में करोड़ों रुपए खर्च कर नए बिजली पोल तो लगा दिए गए, लेकिन आज तक पुराने पोलों से विद्युत लाइनों की शिफ्टिंग नहीं की गई। हालत यह है कि नए पोल केवल शोपीस बनकर खड़े हैं, जबकि वर्षों पुराने जर्जर पोलों पर ही बिजली लाइनें टिकी हुई हैं। कई पुराने पोल झुकी अवस्था में हैं और हादसों को खुला न्यौता दे रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर वर्ष आंधी और बारिश के दौरान इन्हीं पुराने पोलों और कमजोर लाइनों के कारण घंटों बिजली बंद रहती है। कई क्षेत्रों में स्पार्किंग और तार टूटने की घटनाएं भी सामने आती रही हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग स्थायी समाधान करने के बजाय केवल अस्थायी सुधार में जुटा रहता है। करोड़ों रुपए मेंटेनेंस पर खर्च होने के बावजूद यदि नई लाइन शिफ्टिंग तक पूरी नहीं हो पा रही, तो यह विद्युत मंडल की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। जनता अब जवाब और स्थायी समाधान दोनों मांग रही है।

महोत्सव में काजल दीदी सहित बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त किया

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

सांवेर। प. पूज्य राष्ट्र गौरव भक्तामर अनुष्ठान विशेषज्ञ वात्सल्यनिधि आर्यिका रत्न 105 ज्ञेयश्री माताजी संसघ के सानिध्य में 1008 श्री शांतिनाथ भगवान के जन्म, तप एवं मोक्ष कल्याणक महोत्सव तथा मानकस्तम्भ मस्तकाभिषेक महोत्सव अत्यंत श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ मनाया गया। साथ ही सायंकाल भक्तामर अनुष्ठान कार्यक्रम भी सम्पन्न हुआ। यह समस्त आयोजन 1008 श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन बोर्डिंग मंदिर, उज्जैन में आयोजित किया गया। महोत्सव में काजल दीदी सहित बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान भक्तिमय वातावरण बना रहा तथा श्रद्धालुओं ने भगवान शांतिनाथ के प्रति गहरी आस्था व्यक्त की। उल्लेखनीय है कि प. पू. माताजी संसघ शुकलिया, इंदौर से विहार करते हुए सांवेर एवं पंथ पिपलाई में विश्राम कर वर्तमान में उज्जैन स्थित श्री दिगम्बर जैन बोर्डिंग मंदिर में विराजमान हैं।

देपालपुर में शनिचरी अमावस्या पर विशेष श्रंगार भंडारा आज

देपालपुर। नगर के शिवाजी मार्ग, ठाकुर मोहल्ला स्थित नवग्रह शनि मंदिर में शनिचरी अमावस्या पर भगवान शनि देव की जयंती आज धूमधाम से मनाई जाएगी। पुजारी सतीश जोशी और विजय जोशी ने बताया कि इस अवसर पर भगवान शनि देव का विशेष श्रृंगार किया जाएगा और छप्पन भोग अर्पित होंगे। महाआरती और सुंदरकांड का पाठ भी होगा। मंदिर को आकर्षक सजावट से सजाया जाएगा। पिछले 14 वर्षों से यहां लगातार विशाल भंडारा किया जा रहा है।

भाजपा नेता राजेंद्र सिंह चौहान का निधन

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

खलघाट। धरमपुरी विधानसभा के पुर्व मंडल उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह चौहान करीब एक महीने से अस्वस्थ चल रहे थे मौत ओर जिन्दगी के बिच संघर्ष की लडाई हार गए चौहान केन्द्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर के खास माने जाते थे गुरुवार को धामनोद के निजी अस्पताल में केन्द्रीय मंत्री सावित्री जी ठाकुर भी स्वास्थ देखने के लिए अस्पताल पहुची थी शुक्रवार को सुबह सुबह करीब 3.30 अन्तिम सांस ले ली सुचना मिलते ही क्षेत्र में शौक की लहर दौड़ गई शव यात्रा निज निवास लुन्हैरा खुर्द से निकली ओर मां नर्मदा जी के तट पर बेटे कृष्णपाल सिंह चौहान ने मुखाग्नि दी शव यात्रा में केन्द्रीय मंत्री के पि ए योगेन्द्र सिंह चौहान पुर्व गृह मंत्री जगदीश मुवेल जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि शेलेन्द जायसवाल राकेश पटेल रोहित सिंह पटेल महादेव खान्देसीया आरुण मालवीया कमलेश मानवे कैलाश सिंह चौहान खलघाट सहीत बडी संख्या में भाजपा नेताओ एवं समाजजनों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

देवी दर्शन कर लौट रहे दंपति की सड़क हादसे में मौत

संयुक्त लहर, मुकेश मेहता

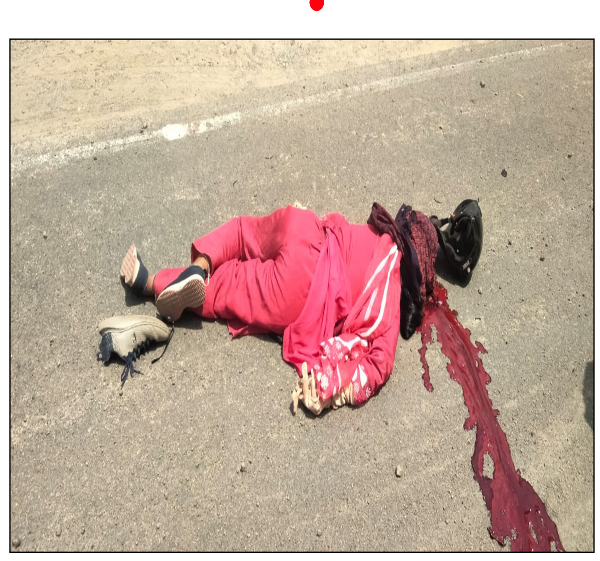

रेहटी/सलकनपुर। रेहटी थाना क्षेत्र अंतर्गत भोपाल-देहलावाड़ी मार्ग पर शुक्रवार दोपहर एक भीषण सड़क हादसे में स्कूटी सवार पति-पत्नी की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसा सेमरी स्थित गौशाला के पास हुआ, जहां एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने उनकी स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी और फरार हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतकों की पहचान आशुतोष दीक्षित (29) पिता गोपाल दीक्षित एवं उनकी पत्नी ज्योति ठाकुर दीक्षित (28) निवासी चाचौड़ा, जिला गुना के रूप में हुई है, जो वर्तमान में भोपाल में निवासरत थे। नव दंपति शुक्रवार सुबह स्कूटी (क्रमांक एमपी 04 यूएल 1280) से सलकनपुर स्थित माता विजयासन देवी के दर्शन के लिए गए थे और दोपहर करीब 1 बजे भोपाल लौट रहे थे। बताया गया है कि हादसे के समय स्कूटी ज्योति चला रही थीं। जैसे ही वे सेमरी गौशाला के पास पहुंचे, पीछे से आ रहे अज्ञात वाहन ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही रेहटी पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। परिजनों को भी हादसे की जानकारी दे दी गई है। बुधनी एसडीओपी रवि शर्मा ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि अज्ञात वाहन चालक की तलाश की जा रही है। पुलिस आसपास के ढाबों व चेकपोस्ट पर लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर रही है। क्षेत्र में शोक की लहर दोपहर में हुए इस दर्दनाक हादसे के बाद कुछ समय के लिए मार्ग पर जाम की स्थिति बन गई थी, जिसे पुलिस ने वाहन हटवाकर सामान्य किया। अचानक हुई इस घटना से मृतकों के परिजनों व क्षेत्र में शोक व्याप्त है।

हाईकोर्ट द्वारा धार भोजशाला का फैसला सत्यता को पुर्नस्थापना का ऐतिहासिक फैसला, आमजन में हर्ष और उनके विचार

संयुक्त लहर, हरिहर सिंह चौहान

धार। मध्यप्रदेश की भोजशाला सरस्वती मंदिर था। इन्दौर हाईकोर्ट की खंडपीठ ने यह ऐतिहासिक फैसला सुनाया। भोजशाला मूल रुप से एक हिन्दू मंदिर है, जहां ऐतिहासिक तत्वों, पुरातात्विक साक्ष्यों और प्राचीन संरचना के अध्ययन के मुख्य आधार पर यह फैसला दिया गया है। राम मंदिर के अगर कोई सनातन संस्कृति गौरवशाली इतिहास की सत्यता को पुनर्स्थापना का ऐतिहासिक पक्ष आज के दिन मजबूत हुआ। भोजशाला की संरचना स्तंभ शिलालेख और स्थापत्य कला यही कहे रही है की यहां शिक्षा की देवी मां सरस्वती का मुख्य मंदिर रहा है। उपासना की परम्परा का आधार के साथ साथ धार्मिक प्रतीक और शिल्प इसे मंदिर ही सिद्ध करते हैं। ऐतिहासिक और पुरातात्विक साक्ष्यों के आधार मंदिर ही मान रहे हैं। आज मां वाग्देवी की कृपा से राजा भोज की नगरी आज से भोजशाला सरस्वती मंदिर के नाम से जाना जाएगा। **भोजशाला पर हाईकोर्ट के फैसले पर वैचारिक चिंतन आमजन की राय............**

हिंदुओं की आस्था के केंद्र भोजशाला पर माननीय उच्च न्यायालय का साक्ष्य सम्मत फैसला, हमारी सनातन संस्कृति के गौरव की पुनर्स्थापना की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है सामाजिक सदभाव एवं संप्रभुता बनाए रखने के लिए न्यायालय के प्रति आभार।

सचिन जैन ओज्स वैली श्रद्धानंद मार्ग छावनी इन्दौर
सत्य सनातन की विजय ...

इंदौर हाई कोर्ट का भोजशाला को लेकर फैसला केवल एक न्यायिक निर्णय नहीं बल्कि सत्य सनातन संस्कृति की विजय हुई है। भोजशाला में सारे वे प्रमाण मिले हैं जो सनातन संस्कृति से जुड़े हैं सूर्य संस्कृत के श्लोक तथा हवन कुंड जैसे प्रमाण जो प्रत्यक्ष प्रमाण के रूप में न्यायालय के सामने प्रस्तुत किए गए न्यायालय ने प्रस्तुत तथ्यों का सूक्ष्म विश्लेषण किया और इसे , सनातन संस्कृति का महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थल घोषित किया। इस निर्णय से भोजशाला पर हिंदुओं का अधिकार तो अपने आप होगा इसके साथ ही वाग्देवी सरस्वती की मूर्ति लंदन से लाने का मार्ग भी प्रशस्त हुआ है। आज का दिन हमारी संस्कृति और सनातन की विजय का दिवस है।

राष्ट्रवादी विचारक - मनोहर मंजुल
पिपल्या बुर्जुग महेश्वर

पत्थर सच्चाई उगलते हैं तो सच्चाई सामने आई जाती है

भोजशाला में कमाल मौला को चाहने वाले भी भूल चुके थे कि यह धारा यह स्थान किसी शिव शक्ति का सदियों से स्थान रहा है । इतिहास में गड़े हुए पत्थर जब सच्चाई उगलते हैं तो वह सच्चाई सामने आई जाती है । ऐसे कई स्थान है जहां पहले से ही शिव शक्ति के साथ हमारे आराध्य देवी देवताओं की मुर्तियां निकल चुकी है उन स्थानों से जहां पर कभी किसी विधर्मियों ने अपने धर्म के प्रतीक चिह्न को लगा दिए थे । भोजशाला से शक्ति निकाल कर आई है अतित की ध्वनियां समय की पदचाप पहचानती हुई पुरातात्विक साक्ष्य के साथ न्याय की आस में लगातार इंतजार करती रही लेकिन सच्चाई तो सच्चाई के रूप में उजागर हो गई । यह सत्य सनातन की आने वाली केवल पदचाप है अभी तो सत्य सनातन का आना शेष बाकी है । मां वाग्देवी की मूर्ति लाने के लिए अब लंदन का मार्ग और सरल हो गया क्योंकि विगत कई वर्षों से हम जिस गुलामी के साए में जी रहे थे । आज हमारी कानून की धाराएं जो कलम से लिखी गई थी । आज इसी कलम के माध्यम से न्याय के मार्ग पर चलते हुए हमें सफलता प्राप्त हुई । अब यह भोजशाला सनातन धर्म संस्कृति का केंद्र बन गई है । यह कहना कभी गलत नहीं होगा ।

प्रकाश हेमावत
रतलाम मध्यप्रदेश

मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ ने धार की ऐतिहासिक भोजशाला के संबंध में एक महत्वपूर्ण रुख अपनाया है। कोर्ट ने इसे केवल एक स्मारक न मानकर, इसके धार्मिक और ऐतिहासिक स्वरूप को स्वीकार किया । कोर्ट ने एएसआई के वैज्ञानिक सर्वेक्षण के आधार पर माना कि यह मूल रूप से वाग्देवी (माता सरस्वती) का मंदिर है। संरचना की दीवारों पर खुदे श्लोक और नक्काशीदार खंभे इसके मंदिर होने के पुख्ता प्रमाण देते हैं। हिंदू पक्ष के लिए यह सदियों से ज्ञान की देवी का स्थान रहा है, जिसे राजा भोज ने संस्कृत अध्ययन के केंद्र के रूप में स्थापित किया था।कोर्ट का यह रुख स्पष्ट करता है कि किसी भी विवादित स्थल का समाधान ऐतिहासिक तथ्यों और वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर ही संभव है, जिससे इसकी पहचान और पवित्रता को संरक्षित किया जा सके।संक्षेप में, हाई कोर्ट के इस दृष्टिकोण ने भोजशाला के गौरवशाली अतीत और इसकी धार्मिक पहचान को कानूनी और ऐतिहासिक मान्यता प्रदान करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है।अब जब भारतीय न्यायालय ने इसे आधिकारिक रूप से मंदिर मान लिया है, तो भारत सरकार यूनेस्को कन्वेंशन और द्विपक्षीय वार्ताओं के माध्यम से ब्रिटेन पर इस सांस्कृतिक धरोहर को उसके मूल स्थान पर लौटाने के लिए दबाव बना सकती है।

भगवानदास छरिया
सोमानी नगर इन्दौर

'सत्य हमेशा विजयी होता है '

ऐतिहासिक साक्ष्यों की वजह से अंततः धार की भोजशाला हिंदुओं का मन्दिर घोषित हुई। दशकों पूर्व आक्रान्ताओं ने जिस मन्दिर का स्वरूप बिगाड़ कर उसे मस्जिद घोषित कर रखा था उसे हाई कोर्ट की एक बेंच ने लम्बी सुनवाई के बाद वाग्देवी का समर्पित मन्दिर कह कर उसे संस्कृत शिक्षा का बड़ा केंद्र भी माना। इसने लाखों हिंदुओं के विश्वास और भक्ति को बरकरार रखा है जिसके लिए सभी बधाई के पात्र हैं।

नरेश कानूनगो 'शोभना',
राजाराम नगर, देवास, म.प्र.

भोजशाला धार हाई कोर्ट का निर्णय बहुत ही सराहनीय निर्णय रहा इसमें सभी हिंदू पक्ष की दलील की जो इतिहास प्रमाणित थी न्यायपालिका ने बहुत ही साहसिक फैसला दिया जो हकीकत में हिंदू पक्ष का ही था सनातन हिंदू सम्राट राजा भोज के इतिहास से छेड़छाड़ कर कब्जा किया हुआ था यह इसको हाई कोर्ट ने सिद्ध कर दिया यह सनातन हिंदू धर्म की जय हो

राम गुर्जर
पाध्यक्ष सकल गुर्जर महासभा इंदौर मध्य प्रदेश

जीवन के अंधकार में परिवार का प्रेम ही होता है आशा की किरण – जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान

अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस पर जिला न्यायाधीश ने बंदियों को दिया आत्मसुधार और परिवार से जुड़ाव का मार्मिक संदेश

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

देपालपुर(इंदौर)। अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस के अवसर पर सब जेल देपालपुर में तहसील विधिक सेवा समिति के तत्वावधान में एक गरिमामय विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तहसील विधिक सेवा समिति के अध्यक्ष एवं जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान ने निरुद्ध बंदियों को संबोधित करते हुए कहा कि परिवार केवल रक्त संबंधों का समूह नहीं है, बल्कि प्रेम, विश्वास,धैर्य और अपनत्व की वह अमूल्य संस्था है जो व्यक्ति को जीवन की कठिन परिस्थितियों में भी संभाले रखती है। उन्होंने कहा कि मनुष्य से ही गलतियां होती हैं, किन्तु वही व्यक्ति महान बनता है जो अपनी गलतियों और भूलों से सीख लेकर जीवन को नई दिशा देता है। बंदियों को प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा कि यह समय निराश होने का नहीं, बल्कि आत्ममंथन, आत्मसुधार और नए संकल्प के साथ भविष्य निर्माण का अवसर है। जिला न्यायाधीश श्री हिदायत उल्ला खान ने कहा कि माता–पिता की दुआएँ, जीवनसाथी का विश्वास और बच्चों की प्यारी मासूम उम्मीदें व्यक्ति को पुनः सम्मानजनक जीवन की ओर अग्रसर करती हैं। उन्होंने बंदियों से आग्रह किया कि वे शिक्षा, अनुशासन और सकारात्मक सोच को अपनाएँ तथा रिहाई के पश्चात कानून का सम्मान करते हुए जिम्मेदार नागरिक के रूप में समाज में पुनः स्थापित हों। जिला न्यायाधीश श्री खान ने कहा कि न्याय व्यवस्था का उद्देश्य केवल दंड देना नहीं, बल्कि व्यक्ति को सुधार और पुनर्वास का अवसर प्रदान करना भी है। यदि परिवर्तन की सच्ची इच्छा हो, तो समाज भी खुले दिल से उसे स्वीकार करता है। इस अवसर पर सीनियर सिविल जज श्रीमती रिजवाना कौसर सुमित्रा ताहेड, दिव्या श्रीवास्तव, सहायक जेल अधीक्षक आर. एस. कुशवाह, प्रहरी संतोष देवलिया,विवेक शर्मा, भेरम सिंह धाकड़,मनोज कुशवाह, महिला प्रहरी एकता पटेल, निर्मला मोरी, नर्स शिवानी श्रीवास्तव, नायब नाज़िर दिलीप यादव सहित समस्त जेल स्टाफ तथा बंदीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में बंदियों ने आत्मसुधार, परिवार के विश्वास को बनाए रखने और समाज की मुख्यधारा में सम्मानपूर्वक लौटने का संकल्प लिया। यह आयोजन बंदियों के मन में आशा, आत्मविश्वास और सकारात्मक परिवर्तन की भावना जागृत करने वाला सिद्ध हुआ।

आदि उत्सव जनजातीय गौरव, संस्कृति और उद्यमिता का है अदभुत संगम : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ''आदि उत्सव'' जैसे आयोजन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी विरासत से विकास के संकल्प को पूरा करने का माध्यम भी हैं। जनजातीय संस्कृति से जुड़ी वैभवशाली परम्पराओं के प्रदर्शन और संरक्षण में ऐसे उत्सवों का विशेष महत्व है। पिछले एक दशक से यह आयोजन जनजातीय समाज की गौरवशाली परंपराओं को जीवंत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि यह उत्सव हमारी प्राकृतिक, सांस्कृतिक और वैभवशाली विरासत को सहेजने के साथ आधुनिक उद्यमिता के माध्यम से उसे नए आयाम देने का सशक्त मंच बन रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह उत्सव ऐसा प्रतीत हो रहा है, मानो होली और दीपावली एक साथ आ गई हों। उन्होंने मंडला, डिंडोरी, बालाघाट, सिवनी, उमरिया और छिंदवाड़ा अंचल से पहुंचे गोंड एवं बैगा समाज के भाई-बहनों का स्वागत करते हुए आयोजन की भव्यता की सराहना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंडला जिले में रामनगर में हुए ''आदि उत्सव'' को मंत्रालय से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मंडला का गोंड आर्ट, कर्मा, सैला और रीना नृत्य तथा बैगा समाज का परधोनी नृत्य जनजातीय संस्कृति की सुंदर अभिव्यक्ति हैं। इन परंपराओं को संरक्षित करने के लिए गंभीर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने कोदो-कुटकी सहित अन्य मोटे अनाजों के संरक्षण और प्रोत्साहन के लिए विशेष अभियान चलाया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह उत्सव जनजातीय महापुरुषों और वीर नायकों बिरसामुंडा, रानी दुर्गावती, टंट्याभील, राजा शंकरशाह, कुंवर रघुनाथशाह, दलपतशाह की शौर्य गाथाओं का स्मरण कराने वाला प्रेरणादायी मंच भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अपनी जड़ों से जुड़ने और जनजातीय महापुरुषों के वंशजों का सम्मान करने का यह प्रयास अत्यंत सराहनीय है। यह आयोजन जनजातीय अस्मिता, संस्कृति और स्वाभिमान को नई ऊर्जा प्रदान कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गत एक दशक से आदि उत्सव का आयोजन हो रहा है जो प्रशंसनीय है। आदि उत्सव में बैगा ही नहीं गौंड और अन्य जनजातीय बंधु हिस्सा ले रहे हैं। आदि शिल्प में उद्यमियों और शिल्पियों का संगम भी हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनजाति बोली और परंपराओं को हमें अगली पीढ़ी तक ले जाना है। जनजातीय संस्कृति को संरक्षित करने के लिए पारंपरिक वाद्य यंत्र भी यहां उपयोग में लाए गए हैं। साथ ही कर्मा सेला, लोक नृत्य की छटा बिखरी है। श्रीअन्न का उत्सव भी मनाया जा रहा है।

बंगाल में जनता ने दिया सच्चाई का साथ और प्रचंड बहुमत

संयुक्त लहर, इस्माइल सैफ़ी

मानपुर। विगत दिनों बंगाल में भाजपा की सरकार बनने के बाद अल्प प्रवास पर मानपुर पधारें प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी के भाई प्रहलाद दास मोदी ने चर्चा में कहा की बंगाल में जनता ने भाजपा को वोट देकर सच्चाई का साथ दिया और भाजपा को प्रचंड जीत दिलाने में अहम किरदार निभाया। उन्होंने ममता सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बंगाल में विकास के नाम पर कुछ नहीं किया गया। और हिंदुओं को खतरे में डाल दिया था। उन पर अत्याचार होते रहे और ममता सरकार अत्याचारियों को ताकत देती रही। उन्होंने कहा की प्रहलाद दास मोदी ने ये भी कहा की अब भाजपा बंगाल का विकास करेगी। ममता दीदी बंगाल में हिंदुओं पर अत्याचार कर उनको झूठे आरोप में जेल में डाल रही थी। अब लोगो को नैया मिलेगा। बंगाल की जीत में भाजपा नरेंद्र मोदी और बंगाल की मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की भूमिका अहम रही है।और वहां के हिंदुओं की हिम्मत और साहस से ही भाजपा सरकार बनाने में कामयाब रही। इस अवसर पर भाजपा नेता मोदी हुकुम साहू व पत्रकार अनुराग चौधरी विशेष रूप से उपस्थित थे। स्मरणीय रहे प्रहलाद दास मोदी का मानपुर से विशेष लगाव है और वैष्णोदेवी ग्रुप के प्रकाश राठौर,अंकित राठौर परिवार व मोदी हुकुम साहू परिवार के सुख दु:ख में हमेशा शामिल होते है और उनका स्नेह आशीर्वाद प्रकाश राठौर परिवार पर विशेष रूप से रहता है।

अवैध कॉलोनियों की बदहाली से त्रस्त रहवासी, मूलभूत सुविधाओं के लिए वर्षों से भटक रहे लोग

संयुक्त लहर, राकेश सिंह

बदनावर। नगर की अवैध कॉलोनियां अब रहवासियों के लिए गंभीर समस्या बनती जा रही हैं। कॉलोनाइजरों द्वारा ऊंचे दामों पर प्लॉट बेचने के बाद कॉलोनियों के विकास की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा वहीं नगर परिषद की उदासीनता के कारण लोगों को मूलभूत सुविधाओं से वंचित रहना पड़ रहा है। सड़कों नालियों और साफ-सफाई के अभाव में रहवासी गंदगी और परेशानियों के बीच जीवन यापन करने को मजबूर हैं। डेलची रोड स्थित अवैध कॉलोनियों में शामिल उत्तम विहार कॉलोनी की स्थिति सबसे अधिक चिंताजनक बताई जा रही है। रहवासियों के अनुसार कॉलोनी में लगभग 70 प्रतिशत मकान बन चुके हैं तथा कई परिवार प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान बनाकर रह रहे हैं। लेकिन आज तक यहां विकास कार्य नाम मात्र के भी नहीं हुए। कॉलोनी में पक्की सड़कें नहीं हैं, नालियों की व्यवस्था अधूरी है और ड्रेनेज लाइन सही तरीके से नहीं डाले जाने से गंदा पानी घरों के बाहर लगातार जमा रहता है। रहवासियों ने बताया कि नालियों का दूषित पानी 24 घंटे सड़कों और घरों के सामने बहता रहता है, जिससे क्षेत्र में मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है और बीमारियों का खतरा बना हुआ है। बारिश के दिनों में स्थिति और अधिक खराब हो जाती है, जब लोगों का घरों से निकलना तक मुश्किल हो जाता है। कॉलोनी में पार्क एवं गार्डन का भी समुचित विकास नहीं किया गया है तथा खाली स्थानों पर गाजरघास उग आई है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कॉलोनाइजरों की जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से सांठगांठ होने के कारण उन पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं होती। कई बार कॉलोनाइजरों को समस्याओं से अवगत कराने के बावजूद कोई समाधान नहीं निकला। रहवासियों का कहना है कि वे नगर परिषद को नियमित टैक्स जमा करते हैं और सीएम हेल्पलाइन सहित कई स्तरों पर शिकायतें भी कर चुके हैं, लेकिन समाधान की जगह केवल शिकायतें बंद कराने के प्रयास किए जाते हैं। रहवासियों ने बताया कि पिछले सात वर्षों से वे मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। क्षेत्र में नई-नई कॉलोनियां काटकर भोले-भाले लोगों को सपने दिखाए जाते हैं, लेकिन बाद में उन्हें सुविधाओं से वंचित छोड़ दिया जाता है।

इनका कहना

इस मामले में नगर परिषद सीएमओ लाल सिंह राठौड़ का कहना

अवैध कॉलोनियों से संबंधित शिकायतों के आधार पर संबंधित कॉलोनाइजरों को नोटिस जारी किए जायेंगे।

माधुरी 59 कि हुई, सुभाष घई ने 'कर्मा' से निकाला : खलनायक के लिए 'नो प्रेग्नेंसी' क्लॉज साइन किया

59 साल की हो चुकीं माधुरी दीक्षित सिर्फ अपनी फिल्मों और डांस ही नहीं, बल्कि करियर से जुड़े दिलचस्प किस्सों की वजह से भी चर्चा में रही हैं। करियर के शुरुआती दौर में सुभाष घई ने उन्हें फिल्म कर्मा में छोटा रोल दिया था, लेकिन बाद में यह कहकर उनका सीन हटा दिया कि इतनी टैलेंटेड लड़की को छोटा रोल देना सही नहीं होगा। आगे चलकर उन्होंने माधुरी को अपनी फिल्मों में बड़े रोल दिए। फिल्म खलनायक के दौरान उनसे 'नो प्रेग्नेंसी' क्लॉज भी साइन करवाया गया था, ताकि शूटिंग प्रभावित न हो। वहीं, हम आपके हैं कौन..! के लिए माधुरी को सलमान खान से ज्यादा फीस मिली थी। आज माधुरी दीक्षित के जन्मदिन पर उनके करियर और निजी जीवन से जुड़े कुछ खास किस्से जानते हैं। का नाम सुनते ही फिल्म के लिए हां कर दी थी साहिला चड्ढा के लिए माधुरी दीक्षित सिर्फ सुपरस्टार नहीं, बल्कि परिवार जैसी हैं। माधुरी के जन्मदिन पर दैनिक भास्कर से बातचीत में उन्होंने 'हम आपके हैं कौन' के सेट से लेकर बचपन तक की कई यादें साझा कीं। साहिला 'हम आपके हैं कौन' में रीटा के रोल में नजर आई थीं। साहिला कहती हैं- जब मुझे हम आपके हैं कौन..! ऑफर हुई थी, तब मैं सोलो हीरोइन वाली फिल्में कर रही थी। मैंने पहले फिल्म के लिए मना कर दिया था, क्योंकि मैं सेकेंड रोल नहीं करना चाहती थी। लेकिन जब मुझे बताया गया कि माधुरी फिल्म में होंगी, तब मैंने तुरंत हां कर दी। माधुरी मेरे लिए कोई अजनबी स्टार नहीं थीं। मैं उन्हें बचपन से जानती हूं। उनकी चाची, मेरी मौसी हैं, इसलिए फैमिली फंक्शंस में मुलाकात होती रहती थी। उनके साथ हमेशा कम्फर्ट महसूस हुआ। बचपन से ही स्टार बनने का सपना देखती थीं माधुरी माधुरी बचपन से बहुत फोकस्ड थीं। उन्हें डांस का बहुत शौक था और वह छोटी उम्र से ट्रेनिंग ले रही थीं। अपने लुक्स, स्माइल, टीथ हर चीज का ध्यान रखती थीं। उन्हें शुरू से पता था कि उन्हें एक्ट्रेस बनना है। उनका पूरा फोकस अपने पैशन पर था। माधुरी हर किसी से जल्दी घुलती-मिलती नहीं थीं, लेकिन जिनसे जुड़ती थीं, उनके साथ बहुत जेन्युइन रिश्ता बनाती थीं।, अगर माधुरी के घर से कुछ अच्छा खाना आता था, तो वह मुझे जरूर बुलाती थीं। कई बार किसी को भेजकर बुलवाती थीं कि आओ, साथ में खाते हैं। उनके घर से अक्सर मछली आती थी, जबकि सलमान खान के घर से पूरी यूनिट के लिए बिरयानी आती थी। राजश्री प्रोडक्शंस के सेट पर बिना प्याज-लहसुन का खाना बनता था, लेकिन इतना स्वादिष्ट था कि आज तक उसका स्वाद याद है। मैं कुक से बार-बार पूछती थी कि पक्का इसमें प्याज-लहसुन नहीं डाला? उनका राजमा और बाकी सब्जियां कमाल की होती थीं। हालांकि नॉन-वेज खाने के लिए हम लोग चुपचाप कमरे में चले जाते थे। एक बार माधुरी के चेहरे पर पिंपल हो गया था। तब उन्होंने मुझे बताया कि वह कौन-सा साबुन इस्तेमाल करती हैं। बाद में जब मेरे चेहरे पर पिंपल आया, तो उन्होंने वही साबुन मुझे देते हुए कहा- 'अब ये तुम्हारे काम आएगा।' उस छोटी-सी बात में भी उनका अपनापन दिखता था। माधुरी अपने काम को लेकर बहुत गंभीर रहती थीं। अगर उन्हें लगता था कि शॉट परफेक्ट नहीं हुआ, तो वह रीटेक लेने से पीछे नहीं हटती थीं। उनके अंदर परफेक्शन को लेकर अलग पैशन था। कई बार मेरा शॉट एक टेक में ओके हो जाता था और माधुरी रीटेक करती थीं। तब मैं मजाक में कहती थी- 'मेरे साथ सौतेला व्यवहार क्यों हो रहा है?' ' माधुरी अपने लुक और मेकअप को लेकर बहुत सीरियस रहती थीं। वह मेकअप में काफी समय लेती थीं। मैं आधे घंटे में तैयार होकर सेट पर पहुंच जाती थी, लेकिन वह हर चीज डिटेल में करती थीं। इस वजह से कैमरामैन को हमारी अलग-अलग लाइटिंग करनी पड़ती थी। वह ज्यादा मेकअप करती थीं और मैं बहुत कम।

ऊषा उत्थुप ने वायरल पोस्ट पर सफाई दी : सिंगर ने 'दीदी' गाने को ममता बनर्जी की चुनावी हार से जोड़ने के दावों को गलत बताया

वेटरन सिंगर ऊषा उत्थुप ने सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक पोस्ट पर रिएक्ट किया, जिसमें उनके एक गाने को ममता बनर्जी की हालिया चुनावी हार से जोड़ा गया। सिंगर ने इन दावों को गलत बताया। दरअसल, यह पूरा मामला तब शुरू हुआ जब पर एक यूजर ने उत्थुप का बंगाली गाना 'दीदी' गाते हुए वीडियो शेयर किया। पोस्ट में दावा किया गया कि सिंगर पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ी हार का जश्न मना रही हैं। पोस्ट में यह भी कहा गया कि शासन के दौरान उनके कार्यक्रमों के लिए कट मनी मांगी जाती थी, जिसके कारण वह कोलकाता छोड़कर मुंबई चली गई थीं। यूजर ने लिखा कि अब वह वापस लौट आई हैं। इन दावों पर रिएक्ट करते हुए ऊषा उत्थुप ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स, इंस्टाग्राम और व्हाट्सऐप पर मेरे बारे में एक पोस्ट वायरल हो रही है। मैं साफ करना चाहती हूं कि उस पोस्ट में कही गई कई बातें गलत और भ्रामक हैं। जिस गाने की बात हो रही है, वह एक बंगाली गाना है। इसे कई साल पहले बनाया गया था और यह एक अरबी धुन से प्रेरित है। मैं पिछले 20 सालों से इसे सिर्फ एक संगीत प्रस्तुति के तौर पर गाती आ रही हूं।' सिंगर ने आगे लिखा, 'मैं यह भी साफ करना चाहती हूं कि मैं 1976 से कोलकाता में रह रही हूं। मैंने कभी कोलकाता छोड़कर मुंबई शिफ्ट नहीं किया। कोलकाता हमेशा मेरा घर रहा है और मैं आज भी यहां के लोगों और इस शहर से बहुत प्यार करती हूं।' पोस्ट के अंत में ऊषा उत्थुप ने लिखा, 'उस पोस्ट में जो बातें, टिप्पणियां और कहानियां फैलाई जा रही हैं, उनका मुझसे कोई लेना-देना नहीं है। मैं उनसे खुद को नहीं जोड़ती और उनकी कोई जिम्मेदारी नहीं लेती। कृपया मुझे बेवजह ऐसे विवादों में न घसीटें, जिनसे मेरा कोई संबंध नहीं है। ढेर सारा प्यार, दीदी (ऊषा उत्थुप)।' गौरतलब है कि हाल ही में भारतीय जनता पार्टी ने 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में शानदार जीत हासिल की। पार्टी ने 294 सदस्यों वाली विधानसभा में 207 सीटें जीतीं, जबकि ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस 15 साल बाद सत्ता से बाहर हो गई।

रणबीर कपूर ने अयोध्या में 3.31 करोड़ की जमीन खरीदी : 'रामायण' में निभाएंगे भगवान राम का रोल

एक्टर रणबीर कपूर ने अयोध्या के रियल एस्टेट प्रोजेक्ट 'द सरयू' में जमीन खरीदी है। यह प्रोजेक्ट द हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा का प्रीमियम प्लॉटेड डेवलपमेंट प्रोजेक्ट है। न्यूज एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि कंपनी की आधिकारिक घोषणा के अनुसार, यह डील 3.31 करोड़ रुपए में हुई है। खरीदी गई जमीन का कुल क्षेत्रफल 2,134 वर्ग फीट है। अमिताभ बच्चन के बाद 'द सरयू' में निवेश करने वाले रणबीर कपूर दूसरे बड़े एक्टर बने हैं। 'द सरयू' 75 एकड़ में फैला प्रोजेक्ट है, जो सरयू नदी के किनारे स्थित है। इस प्रोजेक्ट में ग्रैंड क्लब हाउस, 35 से ज्यादा लाइफस्टाइल सुविधाएं और द लीला होटल्स का पांच एकड़ में बनने वाला शुद्ध शाकाहारी लग्जरी होटल शामिल है। रणबीर ने बयान में कहा कि उन्हें लगता है कि अयोध्या ने उन्हें चुना है। उन्होंने कहा कि अयोध्या भारत के इतिहास और सांस्कृतिक विरासत का अहम हिस्सा है और 'द सरयू' में यह जमीन उनके परिवार की विरासत का हिस्सा बनेगी। के चेयरमैन अभिनंदन लोढ़ा ने कहा कि अयोध्या सांस्कृतिक और आर्थिक पुनर्जागरण के दौर से गुजर रहा है।

'अमरी' के बाद चर्चा में आई अमृता प्रीतम की बायोपिक

फिल्ममेकर मीरा नायर ने हाल ही में मशहूर चित्रकार अमृता शेरगिल के जीवन से प्रेरित अपनी नई फिल्म 'अमरी' का ऐलान किया। इसके बाद से इंडस्ट्री में एक बार फिर अमृता प्रीतम की भी बायोपिक को लेकर चर्चाएं तेज हो गईं। खबरें सामने आते ही बॉलीवुड में उस दूसरी 'अमृता' यानि अमृता प्रीतम की अधूरी कहानी फिर याद की जाने लगी, जिस पर सालों से फिल्म बनाने की कोशिशें होती रही हैं। अमृता प्रीतम की जिंदगी को बड़े परदे पर उतारने की सबसे बड़ी कोशिश संजय लीला भंसाली ने की थी। 'गुस्ताखियां' नाम के प्रोजेक्ट पर वह लंबे समय तक काम करते रहे हैं। भंसाली की फिल्म के लिए पहले ऐश्वर्या राय बच्चन का नाम सामने आया था। बाद में करीना कपूर खान भी इस प्रोजेक्ट से जुड़ीं। हालांकि, मेल लीड और डेट्स की समस्याओं के चलते फिल्म आगे नहीं बढ़ पाई। भंसाली के अलावा डायरेक्टर जसमीत के. रीन ने भी अमृता प्रीतम और साहिर की कहानी पर काम शुरू किया था। शाहरुख खान, रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के जरिए इसे प्रोड्यूस कर करने वाले थे और संभवतः खुद साहिर का किरदार भी प्ले करते। वहीं, अमृता प्रीतम के रोल के लिए सबसे ज्यादा चर्चा प्रियंका चोपड़ा जोनास के नाम की थी। माना जा रहा है कि अगर 'अमरी' दर्शकों और क्रिटिक्स के बीच चर्चा का विषय बनती है, तो फिल्ममेकर्स फिर से अमृता प्रीतम की कहानी को बड़े परदे पर लाने का रिस्क ले सकते हैं। फिलहाल, हिंदी सिनेमा की यह सबसे चर्चित अधूरी बायोपिक्स में से एक बनी हुई है।

जावेद जाफरी की पत्नी से 16 करोड़ की ठगी : मुख्य आरोपी गिरफ्तार; बीएमसी कमिश्नर समेत 6 पर केस

मुंबई क्राइम ब्रांच की प्रॉपर्टी सेल ने बॉलीवुड एक्टर जावेद जाफरी की पत्नी हबीबा जाफरी से हुई 16.24 करोड़ रुपए की ठगी के मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इस हाई-प्रोफाइल केस में बीएमसी के असिस्टेंट कमिश्नर महेश पाटिल समेत 6 लोगों के खिलाफ केस दर्ज हुआ है। आरोपियों ने टैक्स सेटलमेंट और इन्वेस्टमेंट के नाम पर जाफरी परिवार को अपनी साजिश में फंसाया। ठगी की शुरुआत अप्रैल 2024 में हुई। हबीबा जाफरी को उनके अंधेरी स्थित बंगले के प्रॉपर्टी टैक्स भरने के लिए बीएमसी से एक नोटिस मिला। इसी दौरान एक परिचित के जरिए उनकी मुलाकात बीएमसी जी-साउथ वार्ड के असिस्टेंट कमिश्नर महेश पाटिल से हुई। पाटिल ने पहले टैक्स सेटलमेंट का भरोसा दिया और फिर उन्हें बांद्रा (पश्चिम) के 'न्यू कमलकुंज' कमर्शियल प्रोजेक्ट में निवेश करने का लालच दिया। असिस्टेंट कमिश्नर ने हबीबा की मुलाकात कारोबारी निशित पटेल से कराई। निशित ने खुद को बड़े बिल्डरों का पार्टनर बताया और दावा किया कि इस प्रोजेक्ट में पहले से 150 करोड़ रुपए का निवेश हो चुका है। जाफरी परिवार का भरोसा जीतने के लिए आरोपियों ने घर जाकर नक्शे, फर्जी लेटरहेड और विदेशी बैंकों के साथ प्री-लीज एग्रीमेंट के कागजात दिखाए। उन्होंने वादा किया कि दिसंबर 2025 तक उन्हें कमर्शियल स्पेस का कब्जा मिल जाएगा। साजिश को असली दिखाने के लिए आरोपी रूपेश, देवेंद्र पडवल और उनके साथी सरकारी मशीनों जैसी डिवाइस लेकर जाफरी परिवार के घर पहुंचे। उन्होंने घर पर ही हबीबा के फोटो, फिंगरप्रिंट और हस्ताक्षर लिए और दावा किया कि सरकारी रजिस्ट्री की प्रक्रिया पूरी हो गई है। बाद में उन्हें दस्तावेजों की फोटोकॉपी थमा दी गई। जब असली कागजात मांगे गए, तो बिल्डर के पास होने का बहाना बनाया गया। आरोपियों के झांसे में आकर जावेद जाफरी, उनकी पत्नी हबीबा और भाई नावेद जाफरी ने अपनी संपत्तियां बेचकर पैसा जुटाया। पुलिस के मुताबिक, यह रकम पूजन टेक्नोलॉजीज, उदित ट्रेडर्स और एशियन फूड जैसी शेल कंपनियों के खातों में ट्रांसफर की गई। कुल 16.24 करोड़ की ठगी में कैश के अलावा विदेशी करेंसी और एक लग्जरी घड़ी भी शामिल है। धोखाधड़ी का अहसास होने पर हबीबा जाफरी ने खार पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। जांच के बाद क्राइम ब्रांच ने निशित पटेल को पकड़ लिया। निशित ने पूछताछ में फर्जी दस्तावेज तैयार करने की बात कबूल ली है। कोर्ट ने उसे 19 मई तक पुलिस रिमांड पर भेजा है। पुलिस अब फरार चल रहे असिस्टेंट कमिश्नर महेश पाटिल और अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

ग्लोरी' के लिए पुलकित बने असली बॉक्सर 9 महीने की ट्रेनिंग से हुए थे ट्रांसफॉर्म

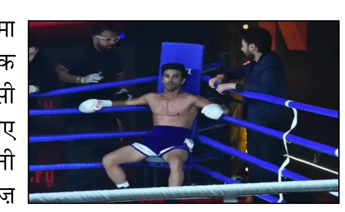

बॉलीवुड में स्पोर्ट्स ड्रामा की विश्वसनीयता हमेशा एक बड़ी कसौटी रही है और इसी कसौटी पर खरे उतरने के लिए पुलकित सम्राट ने अपनी अपकमिंग नेटफ्लिक्स सीरीज़ 'ग्लोरी' में खुद को पूरी तरह ढाल दिया है। हाल ही में रिलीज हुई इस सीरीज में वह एक प्रोफेशनल बॉक्सर के रोल में नजर आ रहे हैं। ट्रेलर लॉन्च के दौरान उन्होंने पेशेवर बॉक्सर नीरज गोयत के साथ लाइव रिंग में उतरकर सभी को चौंका दिया था। पुलकित के ट्रेनर ड्रयू नील के मुताबिक उनका मकसद केवल उन्हें बॉक्सिंग सिखाना नहीं था, बल्कि उन्हें एक असली बॉक्सर में बदलना था। ड्रयू ने इस प्रक्रिया को एक इंस्पायरिंग जर्नी बताया, जिसमें पुलकित को सिर्फ रिंग में सही दिखना ही नहीं, बल्कि एक फाइटर की तरह सोचना और महसूस करना भी सिखाया गया। ड्रयू के अनुसार उन्होंने शूटिंग से करीब 9 महीने पहले ट्रेनिंग शुरू की, जो बेहद कम समय माना जाता है। तैयारी में सिर्फ फिटनेस नहीं, फंक्शनल स्ट्रेंथ पर रहा फोकस बॉक्सर बनने की तैयारी में सबसे बड़ा बदलाव पुलकित की फिटनेस अप्रोच में आया। जहां आमतौर पर एक्टर्स स्क्रीन पर अच्छे दिखने के लिए मसल्स पर काम करते हैं, वहीं ड्रयू ने उनके शरीर को फंक्शनल बनाने पर जोर दिया। पुलकित पहले से ही फिट और रिप्ड थे, लेकिन उन्हें रिंग के हिसाब से मजबूत बनाने के लिए उनका वजन संतुलित किया गया ताकि वह मुकाबले के दौरान लंबे समय तक टिक सकें और प्रभावी प्रदर्शन कर सकें। ट्रेनिंग का सबसे कठिन हिस्सा था स्टैमिना और रिपिटेशन। ड्रयू के मुताबिक पुलकित को रोजाना हजारों जैब्स और क्रॉसेस मारने पड़ते थे, जिससे उनके कंधों पर जबरदस्त दबाव पड़ा। यह उनके लिए नया अनुभव था, क्योंकि पहले उन्होंने इस तरह की लगातार पंचिंग ट्रेनिंग नहीं की थी। शरीर को लंबे समय तक लगातार एक्टिव रखने और उसी तीव्रता से प्रदर्शन करने के लिए, उन्हें कड़े मैराथन सेशन्स से गुजरना पड़ा। पुलकित के इस सफर की गवाह उनकी पत्नी और कृति खरबंदा भी रहीं, जिन्होंने उनकी मेहनत की सराहना की और एक इमोशनल नोट भी शेयर किया।

'तिरछी टोपीवाले' कॉपीराइट विवाद

दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को त्रिमूर्ति फिल्म्स और फिल्म 'धुरंधर 2' के प्रोड्यूसर्स के बीच कॉपीराइट विवाद में त्रिमूर्ति फिल्म्स को अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया। मामला गाने 'तिरछी टोपीवाले (ओए ओए)' से जुड़ा है। त्रिमूर्ति फिल्म्स ने 'धुरंधर 2' की रिलीज रोकने की मांग की थी। जिसको कोर्ट ने रोकने से इनकार कर दिया। हालांकि, जस्टिस तुषार राव गेडेला ने सुपर कैसेट्स को चार हफ्ते के अंदर कोर्ट में 50 लाख रुपए जमा करने का निर्देश दिया। मामले में शिकायतकर्ता त्रिमूर्ति फिल्म्स हैं और प्रतिवादियों में सुपर कैसेट्स और स्टूडियोज शामिल हैं। बता दें कि सुपर कैसेट्स इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड को टी-सीरीज के नाम से जाना जाता है। कोर्ट ने कहा कि इस समय वादी की मांग के अनुसार अंतरिम आदेश देना संभव नहीं है, लेकिन त्रिमूर्ति फिल्म्स के दावे को सुरक्षित करने के लिए जमा राशि की मांग करना सही होगा। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार, कोर्ट ने निर्देश दिया कि यह रकम रजिस्ट्रार जनरल के नाम पर जमा की जाए और ऑटो-रिन्यूअल में रखी जाए। ट्रायल के अंत में सफल पक्ष को इसका लाभ मिलेगा। प्रोडक्शन कंपनी त्रिमूर्ति फिल्म्स ने कॉपीराइट उल्लंघन का केस दायर किया था। कंपनी का आरोप था कि फिल्म धुरंधर 2 के गाने रंग दे लाल (ओए ओए) में 1989 की फिल्म त्रिदेव के फेमस गाने तिरछी टोपीवाले (ओए ओए) और उससे मिलती-जुलती धुन का बिना अनुमति इस्तेमाल किया गया। 'तिरछी टोपीवाले' मुख्य रूप से नसीरुद्दीन शाह और सोनम पर फिल्माया गया था। गाने का संगीत कल्याणजी-आनंदजी ने तैयार किया था। इसे अमित कुमार और सपना मुखर्जी ने गाया था और इसके बोल आनंद बख्शी ने लिखे थे। वहीं, नए वर्जन 'रंग दे लाल (ओए ओए)' को जैस्मिन सैंडलस, अफसाना खान, अमित कुमार और रेबल ने आवाज दी है। इसका संगीत शाश्वत सचदेव ने तैयार किया है और गाने में कल्याणजी-आनंदजी को भी क्रेडिट दिया गया।

रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' के सेट पर हादसा : चेन्नई की फिल्म सिटी में करंट लगने से 28 साल के कर्मचारी की मौत

सुपरस्टार रजनीकांत की आने वाली तमिल फिल्म 'जेलर 2' के सेट पर करंट लगने से एक कर्मचारी की मौत हो गई है। यह हादसा चेन्नई के ईस्ट कोस्ट रोड र पनैयूर स्थित आदित्यराम फिल्म सिटी के एक सेट पर हुआ। रिपोर्ट के मुताबिक, मृतक की पहचान 28 साल के कार्तिकेयन के तौर पर हुई है। मिली जानकारी के मुताबिक, कार्तिकेयन फिल्म की शूटिंग के लिए घर जैसा सेट तैयार करने का काम कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें जोरदार करंट लगा, जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, कार्तिकेयन आर्ट डायरेक्शन से जुड़े काम में लगे हुए थे। कनाथूर पुलिस ने बताया कि मामले में अभी नहीं हुई है। पुलिस फिलहाल उस परिस्थिति की जांच कर रही है, जिसकी वजह से बिजली का लीकेज हुआ। यह घटना उस घोषणा के कुछ दिनों बाद हुई है, जब फिल्म की प्रोडक्शन कंपनी सन पिक्चर्स ने बताया था कि जेलर 2 की शूटिंग पूरी हो चुकी है। 21 अप्रैल को मेकर्स ने सोशल मीडिया पर रैप-अप पार्टी की तस्वीरें शेयर की थीं, जिनमें रजनीकांत और डायरेक्टर नेल्सन कलाकारों और क्रू के साथ केक काटते नजर आए थे। रजनीकांत ने पहले मीडिया को बताया था कि फिल्म 12 जून को रिलीज हो सकती है। वहीं, हाल ही में पिंकविला की रिपोर्ट में दावा किया गया था कि फिल्म की रिलीज डेट में बदलाव हो सकता है। अब फिल्म को 4 सितंबर 2026 को रिलीज किए जाने की संभावना जताई जा रही है। यह तारीख कृष्ण जयंती के मौके पर पड़ रही है। फिल्म 2023 की ब्लॉकबस्टर जेलर का सीक्वल है। इसमें रजनीकांत के अलावा राम्या कृष्णन, योगी बाबू और मिर्ना अपने पुराने किरदारों में लौटेंगे। पहली फिल्म में मोहनलाल, शिवराजकुमार और जैकी श्रॉफ ने कैमियो किया था। विनायकन, वसंत रवि, तमन्ना भाटिया भी अहम रोल में दिखे थे। सैकनिल्क के मुताबिक, लगभग 200 करोड़ रुपए के बजट में बनी जेलर ने दुनिया भर में 604.5 करोड़ रुपए की कमाई की थी। गौरतलब है कि इससे पहले भी साउथ फिल्मों के सेट पर हादसे हुए हैं। फिल्म 'सरदार 2' के सेट पर 54 साल के स्टंटमैन एस. एलुमलाई की मौत स्टंट रिहर्सल के दौरान 20 फीट ऊंचाई से गिरने के कारण हुई थी।

सम्पादकीय

कला में डूबे रहें, ये आपकी उम्र बढ़ने की रफ्तार घटाएगा

क्या आपको दादाजी-नानाजी का दौर याद है? वे हर शाम कहां जाते थे- किसी मंदिर में, स्कूल या सामुदायिक सांस्कृतिक मीटिंग में। हमारी दादी-नानी अकसर रसोई में कहती रहती थीं- 'पता नहीं उन जगहों पर ऐसा क्या है कि दिनभर के काम से लौटने के बाद 15 मिनट भी घर नहीं रुकते।' दूसरों के बारे में तो नहीं जानता, लेकिन हमारी चॉल में उस दौर के ज्यादातर बुजुर्ग किसी न किसी सांस्कृतिक गतिविधि में जरूर व्यस्त रहते थे। बाद में मेरे पिता भी ऐसे ही हो गए। नागपुर में 'सरस्वती विद्यालय' संचालित करने वाली संस्था 'साउथ इंडियन एसोसिएशन' में उनकी सोमवार को मीटिंग होती थी। इसी स्कूल में मैं पढ़ा था और तीन यूनिट्स में फैले उन 150 घरों के लगभग 90 बच्चे वहीं पढ़ते थे। उन घरों के ज्यादातर लोग किसी न किसी मंदिर से जुड़े थे, जिनकी मीटिंग मंगलवार या गुरुवार को होती थीं। शनिवार, रविवार को सांस्कृतिक कार्यक्रम होते थे। जैसे, कर्नाटक म्यूजिक कॉन्सर्ट, घुमंतू मंडली का ड्रामा। कभी बच्चों का 'अरंगेत्रम', जिसमें वे पहली बार सार्वजनिक नृत्य प्रस्तुति देते थे या फिर दक्षिण भारत से कोई संत आकर 15 दिन या एक महीने तक रामायण, भगवान शिव, उनके पुत्र भगवान कार्तिकेय या दुर्गा मां जैसे विषयों पर धार्मिक प्रवचन देते थे। अब इस विषय से अलग एक बात बताता हूं। मेरे परिवार के और जहां मैंने बचपन बिताया, उस इलाके के ज्यादातर पुरुष- जो खुद को सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय रखते थे- 90 साल से ज्यादा या कम से कम 80 के पार तो जरूर जिए।

शौर्य संकल्प योजना से साकार होंगे सपने, प्रशिक्षण कार्यक्रम में चयनित होने पर अभ्यर्थी सिमरन ने खुशी जाहिर की

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

उज्जैन। मध्य प्रदेश सरकार ने राज्य के अन्य पिछड़ा वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर युवाओं को सेना, पुलिस, होमगार्ड तथा निजी सुरक्षा एजेंसियों में भर्ती के लिए तैयार करने के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना 'अन्य पिछड़ा वर्ग के युवाओं के लिए शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना-2026' प्रारंभ की है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य अन्य पिछड़ा वर्ग के प्रतिभावान लेकिन आर्थिक रूप से कमजोर युवाओं को गुणवत्तापूर्ण आवासीय प्रशिक्षण उपलब्ध कराना है, ताकि वे भारतीय सेना, नौसेना, वायुसेना, राज्य पुलिस, होमगार्ड , निजी सुरक्षा एजेंसियों में सफलतापूर्वक भर्ती हो सकें। योजना के अंतर्गत आवासीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इसमें शारीरिक प्रशिक्षण कठोर शारीरिक तैयारी, सैद्धांतिक प्रशिक्षण, लिखित परीक्षा, सामान्य ज्ञान, करंट अफेयर्स, रीजनिंग आदि का अध्ययन, राष्ट्रप्रेम, अनुशासन एवं कर्तव्यबोध का विकास भी करवाया जाएगा। साथ ही निशुल्क/अत्यंत कम लागत पर प्रशिक्षण की व्यवस्था प्रदान की जाएगी। योजना के माध्यम से हजारों युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं और भर्ती प्रक्रियाओं के लिए तैयार किया जाएगा, जिससे अन्य पिछड़ा वर्ग के युवाओं में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और वे देश सेवा का गौरवपूर्ण अवसर प्राप्त कर सकेंगे। शुक्रवार को शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में उक्त योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण के लिए चयनित अभ्यर्थी उज्जैन की माकडौन तहसील निवासी सिमरन मंसूरी ने खुशी ज़ाहिर की है। उन्होंने बताया कि उनके परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत कमजोर है। सिमरन के पिता का कुछ वर्ष पहले निधन हो चुका है तथा उनकी मां मजदूरी कर उनका और उनकी बहन का पालन पोषण कर पा रही है। सिमरन मंसूरी सुरक्षा बल में भर्ती होकर देश के लिए कुछ करना चाहती है। कमजोर आर्थिक स्थिति और उचित मार्गदर्शन नहीं मिलने के कारण वे अपनी परीक्षा की तैयारी में अपना शत प्रतिशत योगदान नहीं दे पा रही थी। लेकिन उक्त योजना का लाभ लेकर वे अपने सपने को पूरा कर सकेगी। सिमरन ने योजना के लिए जिला प्रशासन और मध्यप्रदेश शासन के प्रति आभार व्यक्त किया है। मध्य प्रदेश के अन्य पिछड़ा वर्ग के सभी इच्छुक युवा इस योजना का लाभ लेने के लिए शीघ्र ही विभाग की आधिकारिक वेबसाइट और जिला अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण कार्यालय से संपर्क कर सकते है।

हौसलों की उड़ान से मंजिलें आसान होती है

देश सेवा की भावना ही युवाओं की पहचान होती है

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

उज्जैन। शुक्रवार को शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में शौर्य संकल्प योजना-2026 योजना के अंतर्गत अभ्यर्थियों को अध्ययन सामग्री का वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती कमला कुंवर और बतौर विशिष्ट अतिथि सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांस कूमट और श्री ओम राजोरिया शामिल हुए। कार्यक्रम का प्रायोजन मध्यप्रदेश शासन के पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त घुमंतु एवं अर्द्ध घुमंतु कल्याण विभाग द्वारा किया गया। अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। श्रीमती कमला कुंवर ने इस अवसर पर कहा कि हमारे देश के युवा राष्ट्र सेवा के पथ पर निरंतर आगे बढ़े। मध्यप्रदेश शासन की ओर से युवओं के कल्याण के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही है। हमारे युवा प्रशिक्षण प्राप्त कर जीवन में उच्च पद पर पहुंचे और राष्ट्र निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। कार्यक्रम में जानकारी दी गई कि आज का यह अवसर केवल एक योजना का शुभारंभ नहीं बल्कि उन सपनों को नई दिशा देने का प्रयास है, जो देश सेवा के संकल्प के साथ युवा हृदयों में धडकते है। अल्पसंख्यक एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के युवाओं के लिए शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना 2026 आत्मविश्वास अनुशासन और राष्ट्र भक्ति को नई ऊंचाईयों तक पहुंचाने का माध्यम बनेगी। इसके अंतर्गत चयनित अभ्यर्थियों को 45 दिवस का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा शौर्य संकल्प योजना के तहत चयनित अभ्यर्थियों को अध्ययन सामग्री का वितरण किया गया। चयनित अभ्यर्थियों द्वारा कार्यक्रम में अपने विचार भी साझा किए गए। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती शेफाली चतुर्वेदी ने किया और आभार प्रदर्शन सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग श्रीमती अनुराधा सिकवार ने किया।

निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा इलेक्ट्रिक वाहन पर सवार होकर मार्ग चौड़ीकरण कार्यों का निरीक्षण करने पहुंचे

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

उज्जैन। पेट्रोल-डीज़ल के मितव्ययिता पूर्ण उपयोग के दृष्टिगत देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा देशवासियों से की गई अपील एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय डॉ. मोहन यादव जी के आवाहन पर उज्जैन नगर पालिक निगम में भी पर्यावरण संरक्षण एवं ईंधन की बचत करते हुए समाज तक सकारात्मक संदेश पहुंचाने हेतु शुक्रवार को निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा द्वारा इलेक्ट्रिक वाहन पर सवार होकर मार्ग चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण करने पहुंचे जिसके क्रम में आयुक्त द्वारा हनुमान नाका से होते हुए हरि फाटक ब्रिज तक प्रचलित मार्ग चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया गया तत्पश्चात इलेक्ट्रिक वाहन के द्वारा ही नगर निगम कार्यालय पहुंचे।

महापौर मुकेश टटवाल ई रिक्शा में सवार होकर निकले निरीक्षण करने जनता की समस्या का किया निराकरण

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

उज्जैन। पेट्रोल-डीज़ल के मितव्ययिता पूर्ण उपयोग के दृष्टिगत देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा देशवासियों से की गई अपील एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय डॉ. मोहन यादव जी के आवाहन पर उज्जैन नगर पालिक निगम में भी महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा शुक्रवार को ई रिक्शा में सवार होकर निरीक्षण किया गया साथ ही जनता द्वारा जो समस्या बताई गई वायरलेस सेट के माध्यम से कंट्रोल रूम पर संबंधित शिकायत को दर्ज करवाते हुए नागरिकों द्वारा बताए गए समस्या का समाधान किया गया। साथ ही महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा उज्जैन शहर के पार्षदों, जनप्रतिनिधियों, समस्त नागरिकों से भी अपील की है।

क्लेक्टर सिंह ने बड़नगर के पंचायत समन्वय अधिकारी हीरा सिंह बघेल को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

उज्जैन। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने जनपद पंचायत बड़नगर के पंचायत समन्वय अधिकारी और क्लस्टर प्रभारी हीरा सिंह बघेल को ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं का क्रियान्वयन व सीएम हेल्पलाईन में प्राप्त शिकायतों का संतोषजनक निराकरण नहीं करने तथा उन्हें पूर्व में कारण बताओ नोटिस जारी करने के उपरांत भी कार्यप्रणाली में सुधार नहीं करने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन काल में इनका मुख्यालय कार्यालय जनपद पंचायत बड़नगर होगा।

कलेक्टर सिंह के मार्गदर्शन में शुक्रवार को ग्राम पंचायत लेकोडा में कृषक संगोष्ठी एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

उज्जैन। कृषक कल्याण वर्ष 2026 के अनुक्रम में कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के मार्गदर्शन में 15 मई को ग्राम पंचायत लेकोडा, उज्जैन में सुबह कृषक संगोष्ठी एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। संगोष्ठी एवं जागरूकता कार्यक्रम में किसानों को फार्मर आईडी बनाने, ई- टोकन प्रणाली से खाद वितरण की संपूर्ण जानकारी , संतुलित उर्वरकों का प्रयोग, नरवाई प्रबंधन , फसल विविधीकरण ,प्राकृतिक खेती करने के उपाय एवं आगामी खरीफ सीजन के लिए के पूर्व तैयारी के संबंध में समसामयिक विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई ।

प्रारूप मतदाता सूची का सार्वजनिक प्रकाशन किया गया

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

उज्जैन। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संदीप सिंह ने बताया कि नगरीय निकायों की फोटो युक्त मतदाता सूची वार्षिक पुनरीक्षण 2026 के अंतर्गत जिले की समस्त 08 नगरीय निकायों के समस्त 192 वार्डों में निहित स्थानों पर प्रारूप मतदाता सूची का सार्वजनिक प्रकाशन शुक्रवार 15 मई को कर दिया गया है। इसी प्रकार पंचायतों की फोटो युक्त मतदाता सूची वार्षिक पुनरीक्षण 2026 के अंतर्गत जिले के समस्त 06 विकासखंडों की समस्त 609 ग्राम पंचायतों में विहित स्थानों पर प्रारूप मतदाता सूची का सार्वजनिक प्रकाशन भी कर दिया गया है।

शासकीय संभागीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र उज्जैन में नि:शुल्क मॉक इंटरव्यू

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

उज्जैन। म.प्र. लोक सेवा आयोग द्वारा म.प्र. शासन उच्च शिक्षा विभाग के लिए सहायक प्राध्यापक परीक्षा 2024 (हिन्दी) में चयनित उम्मीदवारों के लिए नि:शुल्क मॉक इंटरव्यू (साक्षात्कार) 28 मई को कार्यालय शासकीय संभागीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र उज्जैन में आयोजित किए जा रहे है।

लोटी स्कूल तिराहे से हनुमान नाका तक मार्ग का सौंदर्यकरण करते हुए आदर्श मार्ग के रूप में विकसित करें - निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

उज्जैन। लोटी स्कूल तिराहे से होते हुए हनुमान नाका चौराहा तक संपूर्ण मार्ग पर नगर निगम द्वारा सौंदर्यकरण कार्य करते हुए एक आदर्श मार्ग के रूप में विकसित किया जाए उक्त मार्ग सिंहस्थ महापर्व अंतर्गत महत्वपूर्ण मार्ग है नीलगंगा से साधु संतों की पेशवाई प्रारंभ होते हुए इसी मार्ग से निकलती है इसलिए संपूर्ण मार्ग पर सौंदर्यकरण किया जाए उक्त निर्देश निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा द्वारा शुक्रवार को प्रात: 6:00 बजे निगम अधिकारियों के साथ संपूर्ण मार्ग पर पैदल भ्रमण करते हुए अधिकारियों को दिए। निरीक्षण के दौरान आयुक्त द्वारा निगम अधिकारियों को निर्देशित किया कि संपूर्ण मार्ग पर जो दीवारें हैं उन पर सुंदर चित्रकारी करते हुए स्वच्छता के स्लोगन लिखे जाए, रेलिंग एवं डिवाइडर की सफाई रंगाई, पुताई, मार्ग पर जो अवैध अतिक्रमण एवं गुमटिया रखी हुई है उन्हें हटाने की कार्यवाही के साथ ही संपूर्ण मार्ग पर सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए, मार्ग पर कचरा ना हो इसके लिए जगह-जगह लीटर बिन लगाए जाए। निरीक्षण के दौरान आयुक्त द्वारा निगम द्वारा संचालित कचरा कलेक्शन वाहन में कचरा सेग्रीगेशन का निरीक्षण करते हुए हेल्पर एवं आईईसी टीम के मेंबर को निर्देशित किया कि कचरा गीला एवं सूखा अलग-अलग ही संग्रहित किया जाए साथ ही रहवासियों को भी समझाइश दीं जाए कि 02 डस्टबिन रखते हुए कचरा अलग-अलग दें हेल्पर का काम सिर्फ गाड़ी में बैठना नहीं बल्कि कचरे की मॉनिटरिंग करना है। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त श्री पवन कुमार सिंह, उपायुक्त श्री योगेंद्र सिंह पटेल, श्री संजेश गुप्ता, जोनल अधिकारी श्री मनोज राजवानी, स्वास्थ्य अधिकारी श्री आनंद विजय सिंह राठौड़, सब इंजीनियर श्री सचिन जायसवाल, स्वच्छता निरीक्षक श्री मनीष पांडे एवं दरोगा उपस्थित रहे।

उज्जैन के नागरिक चौड़ीकरण कार्यों में सहयोग प्रदान कर देश के लिए एक नई मिसाल बन रहे है-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

उज्जैन। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन प्रवास के दौरान राम घाट पहुंचकर हरसिद्धि पाल से राम घाट मार्ग चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निरीक्षण कर निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की सुविधा के दृष्टिगत कार्य तेजी से और गुणवत्ता से करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ 2028 के लिए श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों की सुविधा बढ़ाने के लिए चौड़ीकरण कार्य किए जा रहे है। सरकार द्वारा सभी कार्यों की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है। सभी कार्य इस तरीके से किए जा रहे है कि पौराणिक और धार्मिक नगरी उज्जैन को लंबे समय तक लाभ प्राप्त हो। उज्जैन के नागरिक, जनप्रतिनिधि और सभी धर्म के अनुयायी चौड़ीकरण कार्यों का समर्थन कर रहे है। उज्जैन के नागरिक चौड़ीकरण और सभी कार्यों में सहयोग प्रदान कर देश के लिए एक नई मिसाल बन रहे है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हरसिद्धि पाल से राम घाट मार्ग चौड़ीकरण के निरीक्षण के पश्चात होमगार्ड द्वारा आयोजित बाढ बचाव प्रशिक्षण का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे होमगार्ड जवानों की हौसला अफजाई की और जवानों का अभिवादन स्वीकार किया। डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट श्री संतोष कुमार जाट ने जानकारी दी कि होमगार्ड द्वारा 250 होमगार्ड जवानों को बाढ बचाव के लिए डीप डाइविंग, नाविकों, स्विमिंग , लाइफ जैकेट के उपयोग का तरीका,आपदा और बाढ बचाव सामग्री का उचित प्रयोग, अंडरवाटर रेस्क्यू और सर्फेस वाटर रेस्क्यू का 15 दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान उज्जैन विकास प्राधिकरण अध्यक्ष श्री रवि सोलंकी, राज्यसभा सांसद श्री बालयोगी उमेशनाथ महाराज, विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, श्री संजय अग्रवाल, सिंहस्थ मेला अधिकारी सह संभागायुक्त श्री आशीष सिंह, एडीजीपी श्री राकेश गुप्ता और अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ जैन अध्यक्ष एवं डॉ पाटीदार सचिव नियुक्त

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

महू। भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ नई दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रोफेसर एल राजा,महासचिव श्री सुरेश खंडेलवाल एवं प्रभारी निदेशक प्रोफेसर राजेश के निर्देशन में आई ए ई ए की मध्यप्रदेश शाखा की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया। कार्यकारिणी में मध्यप्रदेश शाखा के अध्यक्ष श्री विमलचंद जैन महू ,सचिव डॉ राजेश पाटीदार कोदरिया, महू,कोषाध्यक्ष श्री उमेश खंडेलवाल महू ,सदस्य के तौर पर सुश्री रेखा द्विवेदी सीतामऊ,श्री रामदयाल झुरिया नीमगांव,श्री नारायणप्रसाद चौहान महू ,श्री सरबजीत सिंह गिल जबलपुर,श्री आशीष बर्थवाल महू,श्री सत्यम सम्राट आचार्य महू ,श्रीमती मधु श्रीवास्तव जबलपुर,श्री योगेंद्र मिश्रा टीकमगढ को चयनित किया गया।

महाप्रभु जी की 63वीं बैठक में 17 मई से होंगे 30 दिवसीय विशेष मनोरथ

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

उज्जैन। श्री महाप्रभुजी की 63वीं बैठक में 17 मई से 15 जून तक 30 दिवसीय विशेष मनोरथ कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। मीडिया प्रभारी दीपक राजवानी एवं बैठक के ट्रस्टी विट्ठल नागर ने बताया कि ये सभी मनोरथ पुष्टिमार्ग गो. सि. 108 श्री राकेशजी इन्द्रदमन महाराज, श्री पुष्टिमार्ग गोस्वामी 105 श्री विशाल बाबा एवं पुष्टिमार्ग 105 चि. श्री लाल गोविंदजी बाबा साहब की आज्ञा अनुसार तय किए गए हैं। इन आयोजनों की अधिकृत सूची बैठक के ट्रस्टी द्वारा प्रकाशन हेतु जारी कर दी गई है। कार्यक्रम के तहत लगातार 30 दिनों तक प्रतिदिन प्रात: एवं संध्या के समय भगवान के विभिन्न स्वरूपों के दर्शन और मनोरथ संपन्न होंगे। तय कार्यक्रम के अनुसार 17 मई रविवार को प्रात: नंद महोत्सव व संध्या में फूल बंगला मनोरथ होगा।

आखिरी 18 गेंदों में 50 रन नहीं बचा सके पंजाब के गेंदबाज, लगातार पांचवां मैच हारी श्रेयस की टीम

मुंबई इंडियंस ने पंजाब किंग्स को छह विकेट से हरा दिया। गुरुवार को खेले आईपीएल मुकाबले में पंजाब द्वारा दिए गए 201 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई ने 205 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस दौरान तिलक वर्मा ने 75 रनों की नाबाद पारी खेली। आईपीएल की शुरुआत से ही पंजाब किंग्स की गेंदबाजी यूनिट सवालों के घेरे में रही है। बल्लेबाजों के दम पर 200 का स्कोर बनाने वाली टीम के गेंदबाज डिफेंड करने में नाकाम रहे। इसका मुजायरा आज के मैच में देखने को मिला, जब आखिरी 18 गेंदों पर मुंबई को जीत के लिए 50 रनों की जरूरत थी और गेंदबाज विफल रहे। बता दें कि, गुरुवार को धर्मशाला में खेले गए आईपीएल मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पंजाब ने प्रभसिमरन सिंह की अर्धशतकीय पारी की मदद से 20 ओवर में आठ विकेट पर 200 रन बनाए। जवाब में मुंबई ने 19.5 ओवर में चार विकेट पर 205 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। पंजाब के लिए अजमतुल्लाह ओमरजई ने दो विकेट लिए जबकि मार्को यानसेन और युजवेंद्र चहल ने एक-एक सफलता अपने नाम की। रोहित शर्मा और रेयान रिकेल्टन ने मुंबई को इस मैच में अच्छी शुरुआत दिलाई थी। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 61 रनों की

साझेदारी हुई, जिसके ओमरजई ने तोड़ा। उन्होंने रिकेल्टन को प्रियांश आर्या के हाथों कैच कराया। वह 23 गेंदों में 48 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद यानसेन ने नमन धीर को पवेलियन भेजा। वह सिर्फ नौ रन बना सके। वहीं, रोहित (25) भी चहल का शिकार बने। 88 पर तीन विकेट खो चुकी मुंबई को एक बड़ी साझेदारी की जरूरत थी। मोर्चा तिलक वर्मा और शेरफेन रदरफोर्ड ने संभाला। दोनों के बीच 42 गेंदों में 61 रनों की साझेदारी हुई। इस दौरान रदरफोर्ड 20 रन बनाकर आउट हुए। उस वक्त मुंबई का स्कोर चार विकेट पर 149 रन था। अब बल्लेबाजी के लिए विल जैक्स आए। उन्होंने तिलक वर्मा के साथ पांचवें विकेट के लिए 20 गेंदों में 56 रनों की नाबाद साझेदारी की और टीम की जीत सुनिश्चित की। इस दौरान तिलक ने 25 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया और 33 गेंदों में 75 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं, विल जैक्स 10 गेंदों में दो चौके और दो छक्के की मदद से 25 रनों की पारी खेलकर नाबाद रहे। इस मुकाबले ने पंजाब के गेंदबाजी आक्रमण की कलई खोल दी। जब आखिरी 18 गेंदों में टीम के गेंदबाज 50 रन नहीं डिफेंड कर सके। 18वें ओवर में यानसेन ने 22 रन लुटाए। इसके बाद गेंदबाजी के लिए आए अर्शदीप सिंह ने 15 रन लुटाए। अब आखिरी छह गेंदों पर मुंबई को 15 रनों की जरूरत थी, गेंद बार्टलेट को थमाई गई। लेकिन दबाव की परिस्थितियों में बार्टलेट कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और मुंबई ने शानदार अंदाज में मुकाबला अपने नाम किया। इस मैच में पंजाब किंग्स ने बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। टीम आईपीएल इतिहास की पहली ऐसी फ्रेंचाइजी बन गई है जिसने दो अलग-अलग सीजन में एक ही सीजन के दौरान आठ बार 200 या उससे अधिक का स्कोर बनाया। आईपीएल इतिहास में अब तक केवल तीन टीमें ही किसी एक सीजन में आठ बार 200+ स्कोर तक पहुंच सकी हैं। पंजाब की शुरुआत शानदार रही। सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्या और प्रभसिमरन सिंह ने पहले विकेट के लिए 33 गेंदों में 50 रन जोड़े। प्रियांश 17 गेंदों में 22 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद प्रभसिमरन सिंह ने कूपर कोनोली के साथ दूसरे विकेट के लिए 35 गेंदों में 57 रन की साझेदारी की। प्रभसिमरन ने 32 गेंदों में 57 रन की तेज पारी खेली। उनके आउट होने के बाद पंजाब की पारी थोड़ी लड़खड़ाई और लगातार विकेट गिरते रहे। मध्यक्रम में अजमतुल्लाह ओमरजई ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 17 गेंदों में 38 रन बनाए। उनकी पारी में चार छक्के और दो चौके शामिल रहे। अंत में जेवियर बार्टलेट ने नाबाद 18 रन और विष्णु विनोद ने नाबाद 15 रन बनाकर टीम का स्कोर 200/8 तक पहुंचाया। मुंबई इंडियंस की ओर से शार्दुल ठाकुर सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने चार विकेट झटके। इसके अलावा दीपक चाहर ने दो विकेट हासिल किए, जबकि कॉर्बिन बॉश और राज बावा क एक-एक विकेट मिला।

मुंबई इंडियंस के साथ खत्म हुआ इस दिग्गज का 16 साल पुराना रिश्ता, भावुक पोस्ट कर किया एलान

पूर्व भारतीय ऑलराउंडर रॉबिन सिंह ने मुंबई इंडियंस फ्रेंचाइजी के साथ अपना 16 साल पुराना रिश्ता खत्म कर लिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी। रॉबिन 2010 से मुंबई इंडियंस के साथ जुड़े हुए थे और टीम के पांच आईपीएल खिताब जीतने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने मुंबई इंडियंस के साथ-साथ एमआई अमीरात से भी अलग होने का फैसला किया है। उनके इस ऐलान के बाद फैंस और क्रिकेट जगत में भावुक प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। रॉबिन सिंह ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर बताया कि अब उनका मुंबई इंडियंस और एमआई अमीरात के साथ सफर खत्म हो गया है। रॉबिन सिंह ने लिखा, 'मैं यह साझा करना चाहता हूं कि मैंने आधिकारिक तौर पर मुंबई इंडियंस से अलग होने का फैसला

कर लिया है। हालांकि मैं 2022 के बाद से आईपीएल टीम के सपोर्ट स्टाफ का हिस्सा नहीं था, लेकिन इस साल एमिरेट्स लीग की टीम से भी मेरा सफर समाप्त हो गया।' पूर्व भारतीय खिलाड़ी ने मुंबई इंडियंस परिवार और फैंस का आभार भी जताया। उन्होंने कहा, '2010 से शुरू हुए इस शानदार सफर में समर्थन देने के लिए पूरी मुंबई इंडियंस फैमिली और फैंस का धन्यवाद। मैं आने वाले वर्षों के लिए फ्रेंचाइजी को शुभकामनाएं देता हूं।' रॉबिन सिंह लंबे समय तक मुंबई इंडियंस के कोचिंग सेटअप का अहम हिस्सा रहे। उनकी रणनीति और अनुभव ने टीम को कई सफलताएं दिलाईं। मुंबई इंडियंस ने रॉबिन सिंह के कार्यकाल में पांच आईपीएल खिताब और दो चैंपियंस लीग टी20 ट्रॉफी जीतीं। वह सिर्फ आईपीएल तक सीमित नहीं रहे, बल्कि आईएल20 में एमआई अमीरात के साथ भी जुड़े रहे। 2023 में वह एमआई अमीरात के जनरल मैनेजर बने थे, जबकि 2024 में उन्हें टीम का प्रमुख नियुक्त किया गया था। भारतीय टीम के लिए 136 वनडे मैच खेलने वाले रॉबिन सिंह ने 2336 रन बनाए और 69 विकेट भी लिए। क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद उन्होंने कोचिंग में कदम रखा और दुनिया भर की कई टी20 लीगों में काम किया। आईपीएल के पहले सीजन में उन्होंने डेक्कन चार्जर्स के कोचिंग स्टाफ में भी भूमिका निभाई थी। हालांकि उस सीजन टीम अंक तालिका में आखिरी स्थान पर रही थी। रॉबिन सिंह का मुंबई इंडियंस से अलग होना फ्रेंचाइजी के इतिहास के एक बड़े अध्याय का अंत माना जा रहा है।

आईपीएल में कप्तानी डेब्यू पर ही बुमराह को मिली जीत, इन दो खिलाड़ियों को दिया कामयाबी का श्रेय

मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली अहम जीत का श्रेय तिलक वर्मा और शार्दुल ठाकुर को दिया। बुमराह ने कहा कि शार्दुल की शानदार गेंदबाजी ने मैच का रुख बदल दिया, जबकि तिलक वर्मा ने दबाव में बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए टीम को जीत तक पहुंचाया। मुंबई ने पंजाब को हराया पर पंजाब ने प्लेऑफ की उम्मीदों को जिंदा रखा है। आईपीएल 2026 के 58वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस (एमआई) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) को छह विकेट से हराया। इस सीजन की चौथी जीत का श्रेय कप्तान जसप्रीत बुमराह ने तिलक वर्मा और शार्दुल ठाकुर को दिया है। तिलक ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 33 गेंदों में 75 रनों की धमाकेदार पारी खेली। तिलक ने अपनी इस पारी

के दौरान छह चौके और छह छक्के लगाए। वहीं, शार्दुल ठाकुर ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर के स्पेल में 39 रन देकर चार विकेट निकाले। जीत के बाद कप्तान बुमराह ने तिलक की बल्लेबाजी और शार्दुल के स्पेल को मैच का टर्निंग पॉइंट बताया। जीत के बाद बुमराह ने कहा, 'मुझे लगता है कि तिलक की पारी और शार्दुल ने जिस तरह से गेंदबाजी की, दोनों को बराबर श्रेय मिलना चाहिए। जिस तरह से तिलक ने अपना धैर्य बनाए रखा। दूसरे छोर से विकेट गिर रहे थे और कुछ खिलाड़ी योगदान नहीं दे सके, लेकिन इसके बावजूद तिलक ने अपनी शेप और विश्वास को बनाए रखा और मैच को खत्म किया। विल जैक्स ने भले ही छोटा सा योगदान दिया, लेकिन इस तरह की पारी टी20 क्रिकेट मैच में काफी असर छोड़ती है। टीम के प्रदर्शन से खुश हूं और हर किसी ने योगदान दिया।' आईपीएल में पहली बार कप्तानी करने को लेकर बुमराह ने कहा, 'हां, बतौर कप्तान यह पहला मैच था। मैंने जैसा कहा, मैंने एक टेस्ट मैच में कप्तानी की है। मैंने टी20 इंटरनेशनल में कप्तानी की है। अब सिर्फ वनडे क्रिकेट का गेम बचा है। हालांकि, मुझे नहीं लगता कि ऐसा होगा (हंसते हुए), लेकिन मजाक छोड़िए। सच में बहुत खुश हूं। मैंने कप्तानी का खूब आनंद लिया। मौसम और ग्राउंड अच्छा था।' बुमराह ने माना कि अंत के ओवरों में अब गेंदबाजी करना मुश्किल होता जा रहा है। उन्होंने कहा, 'यह क्रिकेट का अच्छा मैच था। दोनों टीमों ने अच्छा क्रिकेट खेला। अच्छी शुरुआत के बाद हमने सच में वापसी की। आखिर में थोड़ी सी चूक हुई जब हमने कुछ कैच छोड़े, लेकिन मुझे लगता है कि अब आखिर में गेंदबाजी करना ज्यादा मुश्किल हो गया है। हां, हमने प्लान किया था कि हम धीमी गति की गेंदों और स्टंप्स की लाइन में गेंदबाजी करेंगे।

विशेषज्ञों की सलाह 4-डे वर्किंग कल्चर अपनाएं कंपनियां, इस जानलेवा समस्या से निपटने के लिए जरूरी

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन की रिपोर्ट बताती है कि रोजाना लंबे समय तक बैठने वालों में हृदय रोग, हाई ब्लड प्रेशर और मोटापे का खतरा अधिक हो सकता है। ऑफिस जॉब करने वालों में इसका जोखिम और बढ़ जाता है। इन्हीं खतरों को देखते हुए अब विशेषज्ञ सप्ताह में चार वर्किंग डे करने की सलाह दे रहे हैं। सुबह जल्दी उठकर ऑफिस पहुंचना, घंटों कुर्सी पर बैठकर लैपटॉप की स्क्रीन से चिपके रहना, मीटिंग्स का दबाव और देर रात तक काम, ये सब मौजूदा समय का आम वर्किंग कल्चर बन गया है। नौकरी की डिमांड के हिसाब से ये जरूरी भी है, पर क्या आप जानते हैं कि ये आदतें आपकी सेहत के लिए इतने बड़े खतरे को न्योता दे रही हैं जिसका ज्यादातर लोगों को अंदाजा तक नहीं होता है। विशेषज्ञ कहते हैं, लॉन्ग वर्किंग ऑवर्स यानी दिन में 8-10 घंटे काम और लगातार बैठे रहने की आदत धीरे-धीरे शरीर को बीमार बना रही है। लिहाजा मोटापा, हाई ब्लड प्रेशर, तनाव, डिप्रेशन, डायबिटीज और हृदय रोग जैसी समस्याएं अब युवाओं में तेजी से बढ़ती देखी जा रही हैं। अध्ययनों से पता चलता है कि रोजाना 8-10 घंटे तक लगातार बैठकर काम करने वालों में मोटापे

का खतरा कहीं ज्यादा देखा जा रहा है। इसके अलावा ऑफिस के काम के चलते बढ़ता स्क्रीन टाइम और शारीरिक गतिविधि कम होने से शरीर की कैलोरी बर्न करने की क्षमता घटती है। ये सभी गंभीर बीमारियों को बढ़ाने वाली मानी जाती हैं। इन्हीं जोखिमों को कम करने के लिए अब विशेषज्ञ पांच की जगह चार-दिवसीय कार्य सप्ताह की सलाह दे रहे हैं। आइए जानते हैं इसके पीछे का क्या तर्क है और क्या ये वास्तव में फायदेमंद साबित हो सकता है स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, कर्मचारियों में बढ़ती स्वास्थ्य समस्याओं, विशेषतौर पर मोटापे के खतरे को देखते हुए हफ्ते में 5 की जगह 4 वर्किंग डे करने पर विचार किया जाना चाहिए। कमर पर बढ़ती चर्बी और तनाव के स्तर को कम करने की दिशा में ये बदलाव काफी महत्वपूर्ण हो सकता है। इससे स्वास्थ्य सेवाओं पर बीमारियों का बोझ काफी कम किया जा सकता है। एक नए शोध में पाया गया है कि जिन देशों में काम करने के घंटे यानी कि वर्किंग ऑ र्स ज्यादा होते हैं, वहां कर्मचारियों में मोटापे की दर भी सबसे ज्यादा देखी जाती है। भले ही ऐसे लोगों का खान-पान ठीक हो पर लंबे समय तक काम करने के चलते मोटापे का खतरा बढ़ जाता है। विशेषज्ञ अब इन खतरों को देखते हुए यूके में हफ्ते में चार दिन काम शुरू करने के लिए सरकार पर फिर से दबाव डाल रहे हैं। दावा है कि यह मोटापे की बढ़ती दरों को कम करने में मददगार हो सकता है। ऐसी पहली बार नहीं है जब 4-डे वर्किंग कल्चर की मांग उठी है। संयुक्त अरब अमीरात में संघीय सरकार और कई निजी क्षेत्र 4.5 दिन के छोटे कार्य-सप्ताह (जो शुक्रवार को दोपहर में समाप्त होता है) पर काम करते हैं। इसके अलावा, शारजाह ने स्थानीय सरकारी कर्मचारियों के लिए अनिवार्य 4-दिन का कार्य-सप्ताह लागू किया है। जापान में भी सरकार ने कंपनियों को स्वेच्छा से 4-दिन का कार्य-सप्ताह अपनाने के लए प्रोत्साहित किया है, ताकि काम और निजी जीवन के बीच संतुलन बेहतर हो सके। हालांकि विशेषज्ञों की इस सलाह पर आलोचकों का कहना है कि पांच दिन की सैलरी पर चार दिन काम करने का नियम बनाना टिकाऊ नहीं है। इससे इनकम कम हो जाती है। इस विषय को लेकर ऑस्ट्रेलियाई रिसर्चर्स का मानना है कि ऐसा हो सकता है। उन्होंने पाया है कि सालाना काम के घंटों में सिर्फ 1 प्रतिशत की कमी करने से मोटापे की दर में 0.16 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। इससे दिल की बीमारी, डायबिटीज, डिमेंशिया, कुछ खास तरह के कैंसर का खतरा भी कम किया जा सकता है। इस रिपोर्ट को इस्तांबुल में 'यूरोपियन कांग्रेस ऑन ओबेसिटी' में पेश किया गया। इसमें साल 1990 से 2022 के बीच 33 देशों में काम करने के तरीकों और मोटापे की दरों की तुलना की। अमेरिका, मेक्सिको और कोलंबिया जैसे देश जहां आम तौर पर काम के घंटे ज्यादा होते हैं, वहां मोटापे की दर नॉर्डिक देशों (डेनमार्क, फिनलैंड, आइसलैंड, नॉर्वे और स्वीडन) की तुलना में ज्यादा हैं, जहां काम के दिन कम होते हैं। यूके मोटापे की दर के मामले में नौवें स्थान पर रहा, लेकिन काम के घंटों के मामले में 24वें स्थान पर, जहां एक औसत वयस्क साल में 1,505 घंटे काम करता है। भारत में अभी भी ज्यादातर कंपनियां 6 जबकि कुछ 5 वर्किंग डे पर काम करती हैं। क्वींसलैंड यूनिवर्सिटी के विशेषज्ञों ने यह निष्कर्ष निकाला कि पूरा समय ऑफिस में निकल जाने के कारण लोगों के पास जिम-व्यायाम का समय नहीं निकल पाता और काम से जुड़ा तनाव भी मोटापे को बढ़ाता जा रहा है। काम के घंटों में 20 प्रतिशत की कटौती, यानी चार दिन का हफ्ता इस खतरे को काफी हद तक कम कर सकता है। लंबे समय तक काम करने से तनाव वाला हार्मोन 'कोर्टिसोल' बढ़ सकता है, जिसका संबंध वजन बढ़ने से है।

सिर्फ बीमारियां ही नहीं, शरीर की ये तीन कमियां भी घटा सकती हैं आपकी उम्र

द लैंसेट में प्रकाशित अध्ययन ने खुलासा किया है कि जो बुजुर्ग मानसिक रूप से सक्रिय रहते हैं, शारीरिक रूप से हल्के-फुल्के काम करते रहते हैं और पोषक तत्वों का सेवन करते हैं, उनके लंबे समय तक जीवित रहने की संभावना कहीं ज्यादा होती है। उम्र बढ़ने के साथ शरीर कमजोर होने लग जाता है, इस समय विशेष देखभाल और पोषण की आवश्यकता होती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि किसी बुजुर्ग की लंबी उम्र सिर्फ दवाइयों पर नहीं, बल्कि उनके तेज दिमाग, अच्छे पोषण और चलने-फिरने की क्षमता पर भी निर्भर करती है हाल ही में सामने आए एक बड़े शोध ने इसी सोच को नई दिशा दी है। द लैंसेट में प्रकाशित अध्ययन ने खुलासा किया है कि जो बुजुर्ग मानसिक रूप से सक्रिय रहते हैं, शारीरिक रूप से हल्के-फुल्के काम करते रहते हैं और पोषक तत्वों का सेवन करते हैं, उनके लंबे समय तक जीवित रहने की संभावना कहीं ज्यादा होती है। विशेषज्ञों का मानना है कि दुनिया के कई देश जहां बुजुर्गों की आबादी तेजी से बढ़ रही है, वहां सिर्फ बीमारी का इलाज काफी नहीं होगा। उम्रदराज लोगों की संपूर्ण कार्यक्षमता और संतुलित पोषण जरूरी है। द लैंसेट में छपे अध्ययन में शोधकर्ताओं ने बताया

कि भारत में जिन बुजुर्गों की मानसिक क्षमता बेहतर है, पोषण अच्छा है और चलने-फिरने की ताकत ठीक है, उनके लंबे वक्त तक जीवित रहने की संभावना अधिक होती है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा ट्रस्ट और ब्रिटेन की यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल्स ससेक्स के शोधकर्ता ने अध्ययन के दौरान ये नतीजे निकाले हैं। बुजुर्गों आबादी की स्वास्थ्य योजनाएं बनाते वक्त केवल बीमारियों पर ही नहीं, बल्कि उनकी कार्यक्षमता पर भी ध्यान देना जरूरी है। ये अध्ययन भारत में वृद्धावस्था अध्ययन के आंकड़ों पर आधारित था। इसमें 60 साल या उससे अधिक उम्र के 4,096 लोगों के आंकड़ों का विश्लेषण किया। इनमें से अध्ययन के अंत तक 951 बुजुर्गों की मौत हो गई। विशेषज्ञों की टीम ने कहा कि अब तक आंतरिक क्षमता पर ज्यादातर शोध अमीर देशों में हुए थे। भारत जैसे निम्न और मध्यम आय वाले देशों में इसके दीर्घकालिक प्रभावों पर बहुत कम शोध हुआ है। यदि बुजुर्गों की जांच केवल बीमारियों तक सीमित न रखकर उनकी आंतरिक क्षमता पर भी की जाए, तो कमजोरी और विकलांगता के शुरुआती संकेत समय रहते पहचाने जा सकते हैं। इससे समय पर देखभाल और उपचार संभव होगा, जो तेजी से बुजुर्ग होती भारतीय आबादी के लिए बड़ी राहत साबित हो सकती है। शोधकर्ताओं ने सोचने की क्षमता, मनोदशा, पोषण, चलने-फिरने की क्षमता, दृष्टि और सुनने की क्षमता का मूल्यांकन किया। अध्ययन में देखा गया कि आंतरिक क्षमता के जितने अधिक क्षेत्र कमजोर होते गए मौत का खतरा भी उतना ही बढ़ता गया।

बार-बार हो रहा है सर्दी-जुकाम जिसे वायरल फीवर समझते हैं आप कहीं वो हे फीवर तो नहीं

फीवर और सामान्य सर्दी-जुकाम में अंतर समझना जरूरी है। सर्दी-जुकाम आमतौर पर वायरस के कारण होती है और कुछ दिनों में ठीक हो जाती है, जबकि हे फीवर लंबे समय तक बना रह सकता है और एलर्जी कारकों के संपर्क में आते ही दोबारा शुरू हो सकता है। क्या आप भी मौसम बदलते ही बीमार हो जाते हैं सर्दी-खांसी, छींक आना शुरू हो जाता है अगर हां तो सावधान हो जाइए, ये कमजोर इम्युनिटी का संकेत हो सकता है। अक्सर लोग इन समस्याओं को सामान्य सर्दी-जुकाम या वायरल फीवर समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन कई मामलों में ये हे फीवर का संकेत भी हो सकता है। हे फीवर को एलर्जिक राइनाइटिस भी कहा जाता है। मेडिकल रिपोर्ट्स से पता चलता है कि हे फीवर एक एलर्जिक प्रतिक्रिया है जिसके कारण सर्दी जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। ये किसी वायरस नहीं बल्कि पराग, धूल के कण या फफूंद के कारण होता है। दुनियाभर में करोड़ों लोग इस समस्या से प्रभावित हैं। बदलते मौसम, प्रदूषण या फिर एलर्जी के दिनों में इसके मामले काफी बढ़ जाते हैं। शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली जब किसी सामान्य पदार्थ को हानिकारक मानकर उसके खिलाफ प्रतिक्रिया देने लगती है तो ये समस्या होती है। आमतौर पर धूल, फफूंदी या जानवरों के बाल के कारण समस्या ट्रिगर हो सकती हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, हे फीवर को लोग अक्सर सामान्य सर्दी-जुकाम समझ लेते हैं। पर ये दोनों अलग-अलग स्थितियां हैं। हे फीवर में बार-बार छींक आने, नाक बहने या बंद होने, आंखों में खुजली और पानी आने जैसी समस्याएं देखी जाती हैं। कई लोगों को गले में खराश, कानों में दबाव और सिरदर्द जैसी परेशानियां भी हो सकती हैं। आमतौर पर ये दिक्कतें सामान्य वायरल फीवर में भी होती हैं। जिन लोगों को अस्थमा की समस्या है, उनमें हे फीवर सांस फूलने और खांसी की परेशानी को बढ़ा सकता है। डॉक्टर बताते हैं, सर्दी-जुकाम की समस्या आमतौर पर वायरस के कारण होती है और कुछ दिनों में ठीक हो जाती है, वहीं हे फीवर लंबे समय तक बना रह सकता है और एलर्जी वाली चीजों के संपर्क में आते ही दोबारा शुरू हो सकता है। हे फीवर में आमतौर पर नाक बहने या पानी आने जैसी समस्या होती है पर बुखार नहीं आता। ये दिक्कत जब तक आप एलर्जी वाली चीजों संपर्क में रहते हैं तब तक बनी रहती है। वहीं सामान्य वायरस फीवर में नाक बहने के साथ शरीर में दर्द और हल्का बुखार भी रहता है। वायरल संक्रमण आमतौर पर 3 से 7 दिन ठीक भी हो जाता है। डॉक्टर कहते हैं, वैसे तो हे फीवर से बचने का कोई तरीका नहीं है। अगर आपको हे फीवर है, तो सबसे अच्छा तरीका यह है कि आप उन एलर्जी पैदा करने वाली चीजों के संपर्क में कम से कम आएं, जिनसे लक्षण उभरते हैं।

40 जिलों में गर्म हवा, 5 में तेज लू चलेगी: एमपी में 4 दिन भीषण गर्मी का अलर्ट, शाजापुर-नौगांव में 44.8 डिग्री तापमान

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

इंदौर। इन दिनों पूर्वी हिस्से के कुछ जिलों को छोड़कर पूरा मध्य प्रदेश हीट वेव यानी लू की चपेट में है। मौसम केंद्र, भोपाल ने अगले 4 दिन तक प्रदेश में भीषण गर्मी का अलर्ट जारी किया है। शुक्रवार को करीब 40 जिलों में गर्म हवा चलेगी। इंदौर, उज्जैन, रतलाम, धार और देवास में 15, 16 और 17 मई को तीव्र लू की चेतावनी जारी की गई है। मौसम वैज्ञानिक एचएस पांडे ने कहा कि दोपहर 12 से 3 बजे तक गर्मी का ज्यादा असर रहेगा। ऐसे में लोग जरूरी होने पर ही घरों से बाहर निकले। इससे पहले गुरुवार को प्रदेश में भीषण गर्मी का दौर बना रहा। शाजापुर और छतरपुर के नौगांव में अधिकतम तापमान 44.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दोनों शहर प्रदेश में सबसे गर्म रहे। वहीं, 9 शहरों में पारा 44 डिग्री के पार रहा। शाजापुर-नौगांव के बाद खरगोन में पारा 44.6 डिग्री, खंडवा-रतलाम में 44.5 डिग्री, खजुराहो में 44.3 डिग्री, रायसेन-दमोह में 44 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। प्रदेश के 5 बड़े शहरों की बात करें तो उज्जैन में सबसे ज्यादा 44 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। भोपाल में 43.4 डिग्री, जबलपुर में 43.3 डिग्री, इंदौर में 43 डिग्री और ग्वालियर में 41.8 डिग्री सेल्सियस टेम्परेचर रहा। इंदौर, उज्जैन, रतलाम, देवास और धार में तीव्र लू का ऑरेंज अलर्ट है। वॉर्म नाइट की चेतावनी होने से यहां रात में भी पारा बढ़ा हुआ रहेगा। भोपाल, ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, गुना, अशोक नगर, सागर, विदिशा, रायसेन, नर्मदापुरम, राजगढ़, शाजापुर, सीहोर, हरदा, खंडवा, बुरहानपुर, खरगोन, बड़वानी, आगर-मालवा, नीमच, मंदसौर, झाबुआ, अलीराजपुर, निवाड़ी, छतरपुर, टीकमगढ़, दमोह, पन्ना, सतना, रीवा, मऊगंज, सीधी और सिंगरौली में भी लू चलेगी। वहीं, जबलपुर, मैहर, कटनी, उमरिया, शहडोल, डिंडौरी, अनूपपुर, मंडला, बालाघाट, नरसिंहपुर, सिवनी, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा और बैतूल में तेज गर्मी का असर बना रहेगा। हालांकि, यहां लू का अलर्ट नहीं है। मध्य प्रदेश में 30 अप्रैल से आंधी-बारिश का दौर शुरू हो गया था। लगातार 11 दिन यानी 10 मई तक प्रदेश में बारिश हुई। कभी वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) का असर देखने को मिला तो कभी चक्रवात और टर्फ का। इस वजह से मई के पहले सप्ताह में बारिश हुई। 11 मई को आंधी-बारिश का दौर थमा। लेकिन 12, 13-14 मई को फिर मौसम का मिजाज बदल गया। इस तरह मई के 14 में से 12 दिन आंधी, बारिश या ओलावृष्टि का असर रहा। शुक्रवार को कहीं भी बारिश का अलर्ट नहीं है।

मुस्लिम शासकों ने भोजशाला को कई बार तोड़ा : 271 सालों तक ज्ञान-विज्ञान का केंद्र रहा ये वाग्देवी मंदिर

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

इंदौर। मध्य प्रदेश के धार की भोजशाला मामले में हाईकोर्ट ने शुक्रवार को फैसला सुना दिया। कोई ने भोजशाला को वाग्देवी मंदिर माना है। मंदिर और कमाल मौलाना मस्जिद को लेकर विवाद 1995 से चल रहा था। बीच में जैन समुदाय ने अंबिका मां का मंदिर होने का दावा किया। पांच याचिकाओं और तीन इंटरवेंशन पर सुनवाई पूरी होने के बाद दो जजों की बेंच ने मंगलवार को फैसला सुरक्षित रख लिया था। भोजशाला का इतिहास करीब 990 साल पुराना है। 1034 ई. में राजा भोज ने इसका निर्माण कराया था और यहां मां वाग्देवी की प्रतिमा स्थापित की थी। 200 सालों से ज्यादा समय तक भोजशाला का वैभव कायम रहा, लेकिन 1305 ई में मोहम्मद खिलजी ने भोजशाला पर आक्रमण कर इसे नेस्तनाबूत करने की कोशिश की। इसके बाद कई बार मुस्लिम आक्रांताओं ने भोजशाला पर हमले किए। कई सालों तक मां सरस्वती की प्रतिमा भोजशाला में दबी रही। इसके बाद अंग्रेज आए। वे यहां से खुदाई कर वाग्देवी की प्रतिमा को लंदन के म्यूजियम ले गए। खिलजी के आक्रमण से लेकर अब तक भोजशाला को उसकी पहचान दिलाने के लिए संघर्ष जारी है। तारीखों में जानिए भोजशाला के बनने इसके ध्वस्त होने से लेकर इसे नई पहचान देने तक की कहानी।

इंदौर में जल संकट को लेकर कांग्रेस का जन आंदोलन

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

इंदौर। इंदौर में जल संकट को लेकर कांग्रेस ने शहर सरकार पर हमला बोला है। कांग्रेस कार्यकर्ता अपने नेताओं के नेतृत्व में सभी जोन कार्यालयों के सामने प्रदर्शन कर मटके फोड़ रहे हैं। जोन-5 में सुखलिया चौराहा पानी की टंकी के पास कांग्रेस पार्षद राजू भदौरिया के नेतृत्व में रहवासियों ने विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं और रहवासियों ने नारेबाजी की और मटके फोड़कर विरोध दर्ज कराया। उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों, विधायक, महापौर और एडिशनल कमिश्नर को चेतावनी दिए कि जल संकट हल नहीं हुआ तो आगे और उग्र आंदोलन किया जाएगा। इंदौर शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे ने आरोप लगाया कि नगर निगम की लापरवाही के कारण शहर गंभीर जल संकट से गुजर रहा है। उन्होंने कहा कि शहर की आधी आबादी तक नर्मदा का पानी नहीं पहुंच पा रहा है और जहां पानी पहुंच रहा है वहां भी पर्याप्त दबाव और समय तक सप्लाई नहीं मिल रही। उन्होंने कहा कि कई क्षेत्रों में गंदा पानी आने की समस्या अब भी बनी हुई है। चौकसे ने आरोप लगाया कि 35 लोगों की मौत के बाद भी नगर निगम ने स्थिति सुधारने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए। कांग्रेस ने भाजपा के 27 वर्षों के नगर निगम शासन पर सवाल उठाते हुए कहा कि इतने लंबे समय के बाद भी शहर के प्रत्येक नागरिक तक नर्मदा जल पहुंचाने की व्यवस्था नहीं हो सकी। चौकसे ने कहा कि नर्मदा परियोजना के तीसरे चरण के समय दावा किया गया था कि साल 2040 तक की आबादी के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध रहेगा, लेकिन वर्तमान में साल 2026 की आबादी को भी पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा। कांग्रेस का आरोप है कि जिन क्षेत्रों में नर्मदा पाइपलाइन नहीं है वहां लोग बोरिंग के पानी पर निर्भर हैं। तेज गर्मी के कारण कई बोरिंग सूख गए हैं या मोटरें खराब हो गई हैं। चौकसे ने आरोप लगाया कि नगर निगम के सरकारी बोरिंगों की स्थिति और खराब है। उन्होंने कहा कि पूरे शहर की मोटर सुधारने का ठेका केवल एक ठेकेदार को दिया गया है, जो काम छोड़ने की बात कह चुका है, लेकिन निगम ने वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि शहर में जल वितरण असमान है। कुछ वीआईपी क्षेत्रों में लंबे समय तक और अधिक दबाव से पानी दिया जा रहा है, जबकि आम लोग पानी के लिए परेशान हैं। उन्होंने कहा कि लोग निजी टैंकरों से महंगा पानी खरीदने को मजबूर हैं। पार्षदों को दिए गए टैंकर भी पर्याप्त पानी नहीं भर पा रहे क्योंकि कई हाइड्रेंट बंद पड़े हैं।

इंदौर में युवक ने लगाई फांसी, मौत फोन पर मंगेतर से हुई थी कहासुनी, इसी साल होने वाली थी शादी; पुलिस ने मर्ग दर्ज किया

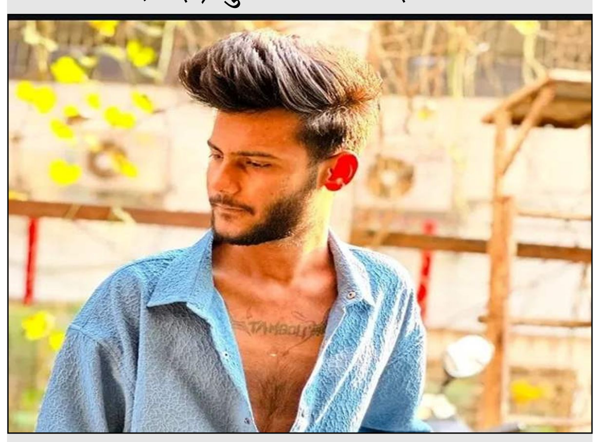

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

इंदौर। इंदौर के आजाद नगर थाना क्षेत्र में रहने वाले एक युवक ने गुरुवार रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि घटना के समय वह अपनी मंगेतर से बात कर रहा था। दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी, जिसके बाद युवक ने यह कदम उठा लिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक घटना मूसाखेड़ी क्षेत्र की है। यहां रहने वाले प्रथम तंबोली (20) ने अपने घर में फांसी लगाकर जान दे दी। देर रात रिश्तेदारों ने उसे फंदे पर लटका देखा, जिसके बाद तत्काल उसे नीचे उतारा गया। बाद में शव को पोस्टमार्टम के लिए एमवाय अस्पताल भेजा गया। मंगेतर पहुंची थी प्रथम के घर परिजनों ने बताया कि प्रथम की मंगेतर छावनी क्षेत्र में रहती है। घटना वाली रात वह प्रथम के घर पहुंची थी। उसी ने पड़ोस में रहने वाले रिश्तेदारों को घटना की जानकारी दी। मंगेतर के मुताबिक दोनों के बीच बातचीत चल रही थी और इसी दौरान किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इसके कुछ देर बाद प्रथम ने आत्मघाती कदम उठा लिया। प्रथम निजी काम करता था। घटना के समय उसका भाई और पिता शिवपुरी गए हुए थे, जबकि उसकी मां अरबिंदो अस्पताल में ड्यूटी पर थीं। सूचना मिलने के बाद रिश्तेदारों ने परिवार को फोन कर बुलाया। परिजनों के अनुसार कुछ समय पहले ही प्रथम और उसके भाई की सगाई हुई थी। इसी वर्ष दोनों की शादी होना तय थी। प्रथम लव मैरिज करने वाला था।

इंदौर में फिजिकल रिलेशन से नाखुश पत्नी ने मांगा तलाक 800 परिवारों के झगड़े समाज की पंचायत में सुलझे

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

इंदौर। इंदौर में एक महिला हर हाल में तलाक लेना चाहती थी। शादी के बाद से ही वह पति के साथ संबंध को लेकर संतुष्ट नहीं थी। ऐसे में पत्नी चाहती है कि वह जल्द से जल्द अपने पति को छोड़ दें। पति और उसका परिवार उसे रखना चाहते हैं। घर की चार दीवारों में शुरू हुआ विवाद बाहर आने लगा। कहासुनी बढ़ती जा रही थी। परिवार ने समाज की पंचायत के पास बात पहुंचाई। दोनों पक्षों को सुना गया। पत्नी के आरोपों की डॉक्टरों से जांच कराई गई। आखिरकार, मामला सुलझ गया। अब दोनों साथ में रहते हैं। आज 15 मई को परिवार दिवस है। इस मौके पर दैनिक भास्कर आपको इंदौर की आबादी में बड़ी हिस्सेदारी रखने वाले सिंधी समाज के प्रयासों की कहानी बता रहा है। समाज के छोटे-छोटे झगड़ों को सुलझाने लिए 17 जुलाई 2023 से हुई पहल ने अब तक 800 से ज्यादा विवादों को सुना है। खास बात यह है कि जब समाज के मामलों को सुना गया तो इनमें ज्यादा पति-पत्नी में फिजिकल रिलेशन में असंतुष्टि के सामने आए। कई परिवार बिखरने की कगार पर थे, लेकिन समाज के पंचों की सूझ-बूझ से मामला न केवल सुलझा बल्कि आज वे परिवार सुखी जीवन जी रहे हैं। केंद्र के संस्थापक सदस्य किशोर कोडवानी ने बताया कि हमारे पास अब तक आए कुल विवादों में 48प्रतिशत दाम्पत्य से जुड़े हैं। 18प्रतिशत पारिवारिक, 17प्रतिशत संपत्ति, 12प्रतिशत आर्थिक और 10प्रतिशत सामाजिक मामलों से संबंधित हैं। एक फीसदी मामले ऐसे भी थे, जो सुनवाई योग्य नहीं थे। ऐसे मामलों को निरस्त कर दिया गया। दाम्पत्य से जुड़े मामलों में 60प्रतिशत केस शारीरिक संबंधों में असंतोष से जुड़े हैं। इनमें मेडिकल, पारिवारिक परिस्थितियां, मेंटल कंडीशन, फिजिकल रिलेशन और लाइफ स्टाइल जैसे कारण शामिल हैं। कुछ विवाद मनोवैज्ञानिक आधार पर भी सामने आए हैं। ऐसे मामलों में हमने मनोवैज्ञानिकों की मदद से काउंसलिंग कराई है। मध्यस्ता केंद्र में पहुंचे विवादों में अगर कोई विवाद मेडिकल परिस्थितियों के कारण होता है तो हमारे समाज के डॉक्टरों से संवाद कर उसे सुलझाने की कोशिश की जाती है। हर मामला अलग होता है और उसे अलग तरीके से सुलझाना पड़ता है। कुछ झगड़े परिवार की आर्थिक स्थिति को लेकर भी सामने आए हैं। उदाहरण के तौर पर, यदि लड़की आर्थिक रूप से सक्षम परिवार से आई है और लड़के का परिवार आर्थिक रूप से कमजोर है, तो दोनों की जीवनशैली और रहन-सहन में अंतर आ जाता है। रीति-रिवाजों में फर्क के कारण भी विवाद पैदा होते हैं।

इंदौर में बेटे और पत्नी पर चाकू से हमला घरेलू विवाद में पिता बना हमलावर

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

इंदौर। इंदौर के खजराना इलाके में गुरुवार सुबह घरेलू विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। एक व्यक्ति ने अपने ही बेटे और पत्नी पर चाकू से हमला कर दिया। दोनों घायलों को इलाज के लिए एमवाय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपी पिता के खिलाफ केस दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया है। पुलिस के मुताबिक 22 वर्षीय साजिद खान पर उसके पिता जाहिद ने चाकू से हमला किया। बीच-बचाव करने आई पत्नी शमा को भी आरोपी ने घायल कर दिया। परिचितों के अनुसार पिछले कुछ दिनों से साजिद और उसके पिता जाहिद के बीच विवाद चल रहा था। गुरुवार सुबह जब साजिद घर में सो रहा था, तभी जाहिद ने अचानक उस पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में साजिद के पैर में गंभीर चोट आई, जबकि उसकी मां शमा के हाथ में चोट लगी है। घटना के बाद दोनों घायलों को परिचित इलाज के लिए एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे। मामले की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी जाहिद के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया।

इंदौर के सराफा में देर रात ताले तोड़ने पहुंचे बदमाश : सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

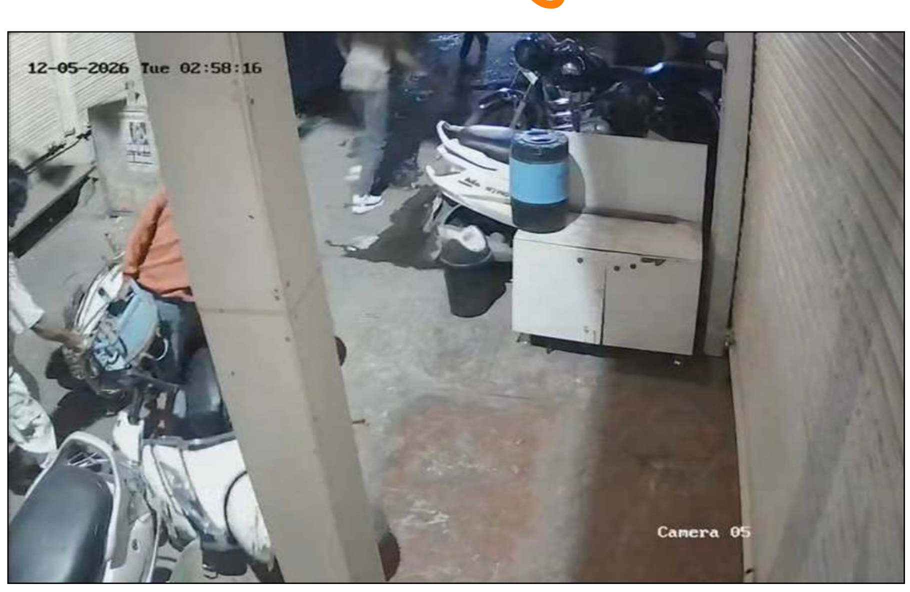

इंदौर। इंदौर के सराफा इलाके में सोमवार देर रात बदमाशों ने जमकर उत्पात मचाया। तीन से ज्यादा बदमाश धान गली में पहुंचे और यहां चोरी की वारदात को अंजाम देने के साथ कई दुकानों के ताले तोड़ने की कोशिश की। बदमाशों की पूरी करतूत इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। मामले में पुलिस ने 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें द्वारकापुरी कॉलोनी के रहने वाले जगदीश सिंह और सुरेश चौहान है। दोनों की उम्र 20 साल है। जानकारी के मुताबिक बदमाश देर रात धान गली पहुंचे थे। यहां से उन्होंने गैस भट्टी समेत अन्य सामान चोरी कर लिया। इसके बाद उन्होंने आसपास की दुकानों को भी निशाना बनाने की कोशिश की। इसी दौरान इलाके के रहवासियों की नजर बदमाशों पर पड़ गई। लोगों ने शोर मचाया तो आरोपी बौखला गए और गली में खड़ी कई दोपहिया गाड़ियों को गिरा दिया। हंगामे के बाद आरोपी मौके से भाग निकले। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और इलाके की जांच शुरू की। रहवासियों ने रात में बनाए गए वीडियो और सीसीटीवी फुटेज पुलिस को सौंप दिए हैं।

रहवासियों ने पुलिस को दिए वीडियो

इलाके के लोगों ने बदमाशों की गतिविधियों के वीडियो अपने मोबाइल में रिकॉर्ड किए थे। पुलिस अब इन फुटेज और सीसीटीवी रिकॉर्डिंग के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है।

इंदौर में 3 भाइयों ने युवक से की मारपीट बिजली बंद करने का कारण पूछने पर हुआ विवाद; आरोपियों की तलाश में पुलिस

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

इंदौर। इंदौर के चंदन नगर इलाके में एक युवक के साथ तीन भाइयों ने मिलकर मारपीट की। बताया जाता है कि आरोपियों ने डीपी से इलाके की बिजली बंद कर दी थी। जब युवक कारण जानने के लिए वहां पहुंचा तो विवाद बढ़ गया और उस पर हमला कर दिया गया। चंदन नगर पुलिस के अनुसार, शाहनवाज खान निवासी केशव नगर की शिकायत पर अनवर पुत्र सलीम, फारूख और सिद्दकी के खिलाफ मारपीट की एफआईआर दर्ज की गई है। शाहनवाज ने बताया कि गुरुवार रात करीब साढ़े 12 बजे अचानक घर की बिजली वोल्टेज कम होने के बाद बंद हो गई थी। वह जब बाहर निकला तो देखा कि डीपी के पास तीनों भाई खड़े थे। उसने वहां कारण पूछा तो आरोपियों ने उसे वहां से जाने के लिए कह दिया। जब उसने एमपीईबी (बिजली विभाग) को बुलाने की बात कही, तो तीनों ने उस पर हमला कर दिया। टीआई तिलक करोले के अनुसार, अनवर और उसके भाई आए दिन विवाद करते हैं। इससे पहले दिसंबर माह में भी अनवर और सिद्दकी ने एमपीईबी के रीडर लखन मालवीय के साथ मारपीट की थी।

इंदौर- स्कूल के समर कैंप में छात्रा से छेड़छाड़ : पानी लेने गई थी, बॉयज हॉस्टल वार्डन ने की हरकत

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

इंदौर। इंदौर के एक स्कूल के समर कैंप के दौरान एक नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। 13 वर्षीय छात्रा की शिकायत के बाद गुरुवार देर रात कैंपस में हंगामे की स्थिति बन गई। सूचना मिलने पर पुलिस हॉस्टल पहुंची और महिला पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में छात्रा व स्टाफ से पूछताछ की गई। मामले में बॉयज हॉस्टल के वॉर्डन विनोद शर्मा को गिरफ्तार कर लिया गया है। राजेंद्र नगर पुलिस ने आरोपी वॉर्डन के खिलाफ छेड़छाड़ और पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक, देर रात जब टीम हॉस्टल पहुंची तो आरोपी वहां से फरार हो गया था। शुक्रवार सुबह उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार, रतलाम से समर कैंप में हिस्सा लेने आई छात्रा ने अपने परिजनों को वॉर्डन की आपत्तिजनक हरकतों की जानकारी दी थी। इसके बाद परिचितों और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता कैंपस पहुंचे। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। राजेंद्र नगर टीआई यशवंत बड़ोले के मुताबिक, पीड़िता छात्रा अपनी छोटी बहन के साथ समर कैंप में शामिल होने आई थी। कैंप 3 मई से संचालित हो रहा है, जिसमें करीब 18 छात्राएं और 36 छात्र शामिल थे। छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग हॉस्टल बनाए गए थे।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुनील कुमार यादव के लिए पंकज प्रिंटर एंड पैकेजिंग, 16-ए अल्फा इंडस्ट्रियल पार्क, ग्राम जाख्या, सांवेर रोड, इंदौर (म.प्र.) पिन-453555 - बी, सूर्यदेव नगर इंदौर कैट रोड हवा बंगला से प्रकाशित। प्रबंध सम्पादक : सुनील कुमार यादव (9630413449)
सम्पादक : भारत प्रसाद यादव, **Email : dainiksanyuktlaher@gmail.com** समाचार चयन के लिए पीआर एक्ट के तहत जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा) **RNI No. MPHIN/2023/90392**